दैनिक
लोकजीवन
भीलवाड़ा एवं जयपुर से प्रकाशित राज्यस्तरीय समाचार पत्र
संस्थापक - स्व. डॉ. शिवकुमार जी त्रिवेदी
■ रजि. नं. 27201/76 ■ मूल्य 2 रूपया ■ पोस्टल रजि. नं. भीलवाड़ा/103/2024-2026
■ वर्ष 51 ■ अंक 279 ■ भीलवाड़ा ■ शनिवार 21 नवम्बर 2026 ■ कार्तिक, शुक्ल पक्ष-12, संवत् 2083 ■ कुल पृष्ठ 4

लोकजीवन
के वाट्सएप ग्रुप से जुड़ने के लिए QR को स्केन करें

ग्रामीण जनादेश और बदलते सियासी समीकरण

पंचायत चुनावों में कांग्रेस की बड़ी बढ़त, आरएलपी का उभार और भाजपा के लिए मंथन

✍ कैलाश त्रिवेदी

राजस्थान के पंचायत चुनावों में कांग्रेस ने जिस तरह जोरदार बढ़त बनाई है, उसने प्रदेश की ग्रामीण राजनीति में नए संकेत दिए हैं। जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव परिणामों में कांग्रेस की आगे निकलती तस्वीर केवल दलगत जीत-हार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे ग्रामीण मतदाताओं के ठोस और व्यावहारिक मुद्दे जुड़े हुए हैं। बड़े नेताओं के प्रभाव वाले क्षेत्रों तक में बदले रुझानों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जमीनी स्तर पर जनता अब वादों से आगे बढ़कर ठोस कामकाज और स्थानीय समस्याओं के समाधान की उम्मीद कर रही है।

37 जिला परिषदों में से 25 से अधिक और 419 पंचायत समितियों में से 275 में कांग्रेस की बढ़त महज आंकड़े नहीं हैं। ये 2028 चुनाव का अलार्म है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ। पिछली बार जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब गांवों ने उसे भी यही आईना दिखाया था। वह चेती नहीं और 2023 में जनता ने सत्ता की चाबी दूसरे हाथ में सौंप दी। आज फिर वैसी ही कहानी दोहराई जा रही है, सिर्फ पात्र बदले हैं।

ग्रामीण राजस्थान की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में पेयजल, सिंचाई और बिजली की निरंतर आपूर्ति शामिल है। खेतों तक समय पर पानी और सिंचाई सुविधाओं की उपलब्धता किसानों की आजीविका से सीधे जुड़ी है। इसके साथ ही महंगाई, रोजगार और पलायन का मुद्दा भी गांवों में उतना ही संवेदनशील है। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों की कमी और बढ़ती लागत ने परिवारों के बजट पर असर डाला है, जिसका प्रतिबिंब मतपेटियों में दिखाई देता है।

स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण बुनियादी ढांचे–जैसे गांवों को जोड़ने वाली सड़कें, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों व दवाइयों की उपलब्धता, और सरकारी स्कूलों की स्थिति–भी मतदाताओं के फैसले को प्रभावित करती है। इसके अलावा सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आवास योजनाओं और प्रशासनिक कामकाज में पारदर्शिता व समयबद्धता जैसे मुद्दे हर पंचायत में चर्चा के केंद्र में रहते हैं।

इन चुनावों का एक अहम पहलू हनुमान बेनीवाल की पार्टी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) को मिली सफलता भी है। करीब 500 वार्ड जीतकर उन्होंने बता दिया कि गांवों में अब तीसरी ताकत खड़ी हो चुकी है। "कई इलाकों में आरएलपी ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराते हुए मुकाबले को त्रिकोणीय या बहुकोणीय बनाया और सत्ताधारी दल व मुख्य विपक्ष दोनों के वोट समीकरणों को प्रभावित किया। क्षेत्रीय आकांक्षाओं और आक्रामक जमीनी राजनीति के सहारे आरएलपी ने यह दिखाया है कि ग्रामीण बेल्ट में तीसरा विकल्प अभी भी प्रासंगिक है और निर्णायक सीटों पर असर डाल सकता है।

सत्ता में रहते हुए भाजपा के लिए ये नतीजे चेतावनी की घंटी हैं। स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बीच संवाद की कमी, जमीनी योजनाओं के क्रियान्वयन में सुस्ती, महंगाई व रोजमर्रा की दिक्कतों पर असंतोष, तथा कई प्रभावशाली क्षेत्रों में उम्मीद के अनुरूप परिणाम न आना भाजपा के पिछड़ने के प्रमुख कारणों में गिना जा सकता है। साथ ही निर्दलीयों और क्षेत्रीय दलों की सक्रियता ने भी भाजपा का गणित बिगाड़ा है ।

सियासत के हिसाब से ये चुनाव बताते हैं कि ग्रामीण मतदाता अब परंपरागत निष्ठाओं से ऊपर उठकर स्थानीय प्रदर्शन को तौल रहा है। प्रदेश की भविष्य की राजनीति के लिए यह संकेत साफ है कि आगामी चुनावों में मुद्दों की राजनीति हावी रहेगी। कांग्रेस के लिए यह बढ़त उत्साहजनक जरूर है, पर इसे बनाए रखने के लिए जमीनी संगठन और भरोसे को कायम रखना होगा। भाजपा को आत्ममंथन कर स्थानीय समस्याओं का त्वरित निस्तारण करना होगा, जबकि आरएलपी जैसी क्षेत्रीय पार्टियों को अपनी बढ़त को दीर्घकालिक जनाधार में बदलने की चुनौती होगी।

कुल मिलाकर, पंचायत चुनावों के ये परिणाम विजयी उम्मीदवारों और दलों के लिए स्पष्ट संदेश हैं। ग्रामीण जनता ने भरोसा जताकर यह अपेक्षा रखी है कि जनप्रतिनिधि केवल राजनीतिक मंचों तक सीमित न रहें, बल्कि पानी, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसी बुनियादी जरूरतों को प्राथमिकता देकर जमीनी बदलाव लाएं। यही ठोस कामकाज आने वाले समय में इस जनादेश की सार्थकता तय करेगा।

अब चलेंगे कांग्रेस के दो दिग्गजों के दांव-पेंच! किसका बनेगा जिला प्रमुख ?

कैलाश मीणा, सत्यप्रकाश डीडवानियां व दुर्गपाल सिंह के नाम, सबकी अपनी-अपनी ताकत

लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा

ग्यारह साल के वनवास के बाद कांग्रेस ने जिला परिषद में मजबूत वापसी की है। पैंतालिस सदस्यों वाले इस उच्च सदन में कांग्रेस ने 31 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत पा लिया, पर जिला प्रमुख के लिए नाम तय करना आसान नहीं है। इसकी वजह है- कांग्रेस के दो दिग्गज नेता पूर्व मंत्री व देहात जिलाध्यक्ष रामलाल जाट तथा कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर। दोनों के दांव-पेंच चलेंगे। दोनों के अपने-अपने कार्यकर्ता जीते हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि धीरज के 12 जिला परिषद सदस्य जीते हैं। शेष जाट ग्रुप के हैं। इस बार जिला प्रमुख का पद सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित है। दोनों नेता जिला प्रमुख पर अपने-अपने सिपहसालार को कुर्सी पर बैठाना चाहेंगे। वर्तमान में जिला प्रमुख पद के लिए कांग्रेस में तीन दावेदारों के नाम सुर्खियों में हैं। वार्ड नंबर वार्ड नंबर 10 से खनन व्यवसायी सत्यप्रकाश डीडवानियां, वार्ड 12 से मांडल के पूर्व विधायक स्व.विजय सिंह के बेटे दुर्गपाल सिंह तथा वार्ड 44 से खनन व्यवसायी कैलाश मीणा। डीडवानियां ब्राह्मण, सिंह राजपूत तथा मीणा एसटी वर्ग से हैं। इन तीनों की अपनी ताकत और खूबियां हैं। चूंकि जिला प्रमुख सीट जनरल है। इस नाते संगठन में भी जनरल वर्ग के व्यक्ति को ही जिला प्रमुख बनाने पर जोर रह सकता है। यदि ब्राह्मण वर्ग से बनता है तो डीडवानियां, क्षत्रिय को बनाना हो तो सिंह और यदि ऊपरमाल को प्रतिनिधित्व देना हो तो मीणा को मौका मिल सकता है। दो दिग्गजों के दांवपेंच में इनके अलावा कोई नया नाम भी आ जाए तो आश्चर्यजनक नहीं होगा।

जानिए, तीनों दावेदारों की मजबूती और ताकत

1. दुर्गपाल सिंह, सत्ता-संगठन का अनुभव



मांडल के पूर्व विधायक स्व.विजय सिंह के बेटे दुर्गपाल सिंह वार्ड 12 से चुनाव जीते। 62 वर्षीय सिंह एमए पास हैं। वे दूसरी बार जिला परिषद सदस्य बने हैं। राजपूत वर्ग से दुर्गपाल सिंह को सत्ता और संगठन दोनों का अनुभव है। वे राजपुरा सरपंच, भूमि विकास बैंक के डायरेक्टर, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष रह चुके। वर्तमान में क्रय विक्रय सहकारी समिति मांडल के चेयरमैन हैं। कट्टर कांग्रेसी सिंह को नगर पालिका चुनाव में शाहपुरा का पर्यवेक्षक बनाया गया तो उन्होंने वहां कांग्रेस का बोर्ड बनवाने में अहम भूमिका निभाई।

2. कैलाश मीणा, पूर्व प्रधान



वार्ड नंबर 44 से निर्वाचित 48 वर्षीय कैलाश मीणा ऊपरमाल के प्रमुख खनन व्यवसायी हैं। मांडलगढ़ के प्रधान रह चुके हैं। रामलाल जाट के करीबी हैं। यही वजह है कि 12वीं पास मीणा ने जनरल वार्ड से चुनाव लड़ा और जीते। वे एसटी वर्ग से आते हैं। ऐसी चर्चा है कि वे जिला प्रमुख बनने के लिए ही चुनाव लड़े।

3. सत्यप्रकाश डीडवानियां, खनिज व्यवसायी



कांग्रेसी परिवार से जुड़े सत्यप्रकाश डीडवानियां खनन व्यवसायी हैं। वे वार्ड नंबर 10 से चुनाव जीते। बीकॉम सेकंड ईयर पास 49 वर्षीय डीडवानियां ब्राह्मण वर्ग से हैं। उनके दादा मांगीलाल डीडवानियां कोटड़ी प्रधान, चाचा जमनालाल डीडवानियां पूर्व प्रधान व सरपंच रहे हैं। जमनालाल डीडवानियां की पत्नी कांता देवी भी कोटड़ी की सरपंच रह चुकी। उनके चाचा स्व.ओमप्रकाश डीडवानियां का भी कांग्रेस से अच्छा जुड़ाव रहा। डीडवानियां पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व मंत्री रघु शर्मा के करीबी बताए जाते हैं।

शंभूगढ़ में कांग्रेस का एक भी एससी सदस्य नहीं जीता, निर्दलीय पर नजर, बना सकती प्रधान!

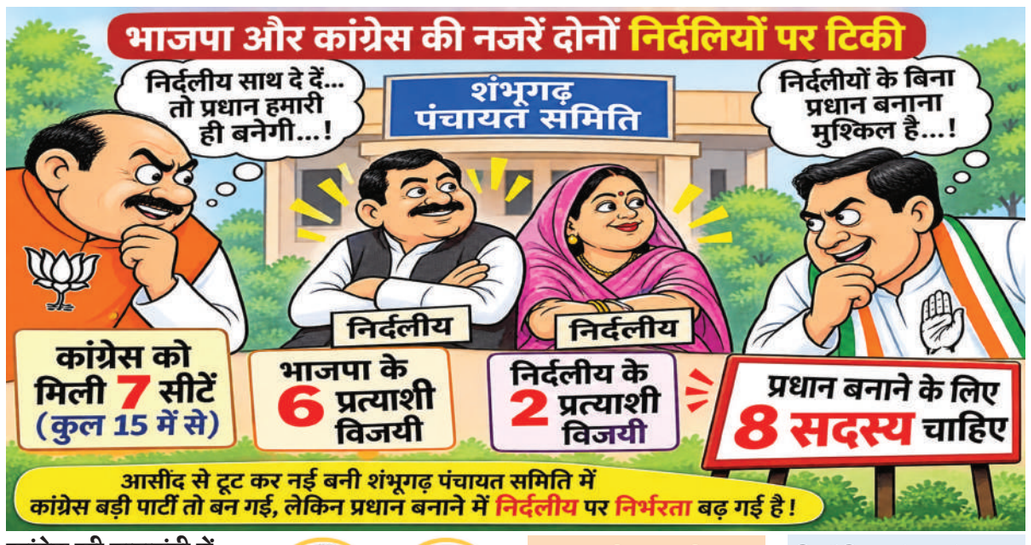

कांग्रेस की बाड़ाबंदी में पहुंची निर्दलीय सदस्य

✍ ललित ओझा
लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा

जिला परिषद व पंचायत समितियों के चुनाव नतीजों ने कांग्रेस में जोश भर दिया है, पर आरक्षण नियमों ने नई चुनौती खड़ी कर दी है। दो पंचायत समितियों में बहुमत या सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरने के बावजूद अपना प्रधान बनाने में नए पेंच फंस गए हैं।

आसींद से टूट कर नई बनी शंभूगढ़ पंचायत समिति में कांग्रेस 15 में सात सीटें जीतकर बड़ी पार्टी तो बन गई, लेकिन वहां प्रधान बनाने में निर्दलीय पर निर्भरता बढ़ गई है। वहां भाजपा के छह तथा निर्दलीय दो प्रत्याशी विजयी हुए हैं। प्रधान बनाने के लिए आठ सदस्य चाहिए।

प्रधान का पद एससी वर्ग के लिए आरक्षित है, पर एससी वर्ग से कांग्रेस का एक भी सदस्य चुनाव जीत नहीं सका। भाजपा का एससी सदस्य तो जीता है, पर उसे अपना प्रधान बनाने के लिए दो सदस्यों का समर्थन चाहिए। जो दो निर्दलीय वार्ड नंबर एक से सुशीला तथा वार्ड नंबर 8 से महेंद्र कुमार बलाई चुनाव जीते हैं, वे एससी वर्ग से हैं। ऐसे में भाजपा और कांग्रेस की नजरें दोनों निर्दलियों पर टिकी हैं।

उधर, कांग्रेस के देहात जिलाध्यक्ष पूर्व मंत्री रामलाल जाट शंभूगढ़ में अपना प्रधान बनाने के लिए जुटे हैं। उन्होंने परिणाम आते ही दोनों निर्दलीयों को अपने पक्ष में करने की कोशिश शुरू कर दी। जाट को रात में सफलता भी मिली। सूत्र बताते हैं कि वार्ड नंबर एक की निर्दलीय सदस्य सुशीला को कांग्रेस ने प्रधान बनाने की पेशकश की। वैसे, कांग्रेस के पास इसके अलावा और कोई विकल्प भी नहीं है। वह अपना उप प्रधान बना लेगी।

इसके बाद निर्दलीय सदस्य सुशीला कल रात कांग्रेस खेमे में चली गई। जाट के आरजिया स्थित फॉर्म हाउस पर सुशीला पहुंची। वहां से कांग्रेस के सभी सदस्यों को बाड़ाबंदी में अन्य जगह ले जाया गया।

भाजपा भी कर रही हर संभव कोशिश

राज्य में सत्तारूढ़ होने के कारण भाजपा भी हर संभव कोशिश कर रही है। शंभूगढ़ के भाजपा पर्यवेक्षक मुकेश शर्मा, आसींद विधायक जब्बर सिंह सांखला सहित भाजपा नेता निर्दलीय से संपर्क साधने में जुटे हैं। यदि वे दोनों निर्दलीय को अपने पक्ष में कर लेते हैं तो कोई आश्चर्य नहीं कि भाजपा अपना प्रधान बना ले। हालांकि दोनों निर्दलीय पार्षदों के समर्थक भाजपा नेता नरेश सांड को उप प्रधान बनते नहीं देखना चाहते, जबकि भाजपा का स्थानीय उन्हें ही उप प्रधान बनाने पर अड़ा है।

बिजौलियां में कांग्रेस का बहुमत, पर एससी एक भी नहीं, तो क्या भाजपा बनाएगी प्रधान?

बिजौलियां पंचायत समिति में भी ऐसे ही हालात हैं। वहां 15 वार्डों में से कांग्रेस ने 8 सीटें जीतकर बहुमत तो हासिल कर लिया, लेकिन प्रधान पद के लिए एससी आरक्षण ने पार्टी के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी। कांग्रेस का एससी वर्ग से एक भी सदस्य नहीं जीता है। ऐसे में प्रधान किसे बनाएं? दूसरी ओर भाजपा सात सीटों के साथ बहुमत से एक कदम पीछे है, लेकिन उसके पास एससी वर्ग के दो सदस्य हैं। वार्ड 6 से शिवराज सोयल और वार्ड 7 से संपत देवी खटीक। दोनों पति-पत्नी है। ऐसे में चुनावी नतीजों के बाद अब बहुमत से ज्यादा प्रधान पद के चेहरे और राजनीतिक समर्थन को लेकर चर्चा शुरू हो गई हैं। उनके नाम प्रधान पद के संभावित दावेदारों के रूप में भी चर्चा में है।

ट्रांसफर्ड इंडस्ट्रियल एरिया में सर्विस चार्ज तो वसूल रहा रीको, विकास नहीं करा रहा

जिला लघु उद्योग संघ ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, विकास कार्य शुरू कराए सरकार

लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा

जिला लघु उद्योग संघ ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को पत्र भेजकर राज्य के ट्रांसफर्ड इंडस्ट्रियल एरिया (हस्तांतरित औद्योगिक क्षेत्रों) में पिछले लंबे समय से रुके पड़े औद्योगिक विकास कार्यों को तुरंत शुरू कराने की मांग की है। संघ ने चेतावनी दी है कि प्रशासनिक गतिरोध के कारण उद्योगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और सरकार को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है।

जिला लघु उद्योग संघ के सचिव राजकुमार पोखरना ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के स्थगन आदेश के बाद रीको द्वारा इन क्षेत्रों में केवल सर्विस चार्ज वसूला जा रहा है। विकास, मेंटेनेंस, भू-विभाजन, भू-उपयोग परिवर्तन, मानचित्र स्वीकृत करने, भूमि को नियमित करने और लीज-डीड व एनओसी जारी करने जैसे जरूरी कार्य बंद पड़े हैं। इनका असर ये हो रहा है कि 20 अप्रैल 2023 के बाद से इन क्षेत्रों में नए उद्योग नहीं लग पा रहे हैं और पुरानी बंद इकाइयां चालू नहीं हो पा रही हैं। बैंकों से ऋण मिलने में भी भारी बाधा आ रही है, साथ ही निगरानी न होने के कारण अनधिकृत निर्माण बढ़ते जा रहे हैं।

सरकारी अधिसूचना के बावजूद देरी

राज्य सरकार ने 6 अगस्त 2026 को अधिसूचना जारी कर रीको को इन सभी कार्यों के लिए अधिकृत कर दिया था। इसके बावजूद, तीन महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी स्थानीय रीको इकाइयां मुख्यालय के आदेशों और गाइडलाइंस का इंतजार कर रही हैं, जिससे जमीनी स्तर पर काम शुरू नहीं हो पाया है।

एम्नेस्टी स्कीम (क्षमादान योजना) की मांग

संघ ने मांग की है कि रीको की पूर्व की एम्नेस्टी स्कीम का लाभ कई इकाइयां नहीं ले पाई थीं, इसलिए इसे दोबारा शुरू किया जाए ताकि संकट से जूझ रहे उद्योगों को पुनर्जीवित किया जा सके। संघ ने पत्र की प्रतियां उद्योग मंत्री, भीलवाड़ा सांसद, उद्योग आयुक्त और रीको के प्रबंध निदेशक व महाप्रबंधक को भी आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजी गई।

WORTHYTECH SOLUTIONS
TURN YOUR IDEAS INTO DIGITAL REALITY
Build. Innovate. Grow.
Technology That Moves You Forward.
OUR SERVICES
Website Development
Mobile App Development
Software Development
Digital Marketing
INTERNSHIP & TRAINING PROGRAMS for Beginners
G-3, G-4, G-5, Ganpati Complex, Pur Road, Bhilwara.
Phone: 9982376430
Email: info@worthytechsolutions.com
Website: www.worthytechsolutions.com

बालाजी की असीम कृपा से समस्या का तुरंत निदान

राजस्थान के जाने-माने ज्योतिषाचार्य
विक्रम सिंह सोनी
ज्योतिष सम्बन्धित सभी समस्याओं का तुरंत निवारण सशुल्क ऑनलाईन किया जाता है।
मिलने के लिए आप 3 से 6 प्रतिदिन फोन करके पधारें।
डांगी फैक्ट्री के पीछे, सांवरिया मंदिर के पास, आजाद नगर, भीलवाड़ा
9509837485, 6350542648

गो-प्रेम और संवेदना की अनूठी मिसालः मेवाड़ी परंपरा के अनुसार बैंड-बाजे के साथ निकली 'गौरी' की अंतिम यात्रा

भीलवाड़ा। शहर में गो-प्रेम और संवेदना की अनूठी मिसाल सामने आई है, जहां एक परिवार ने अपनी लाडली गाय 'गौरी' को मां की तरह पालने और बीमारी में सेवा करने के बाद निधन पर मेवाड़ी परंपरा के मुताबिक बैंड-बाजे के साथ 'डोल' अंतिम यात्रा) निकालकर विदाई दी।



विजय सिंह पथिक नगर निवासी अशोक गट्टानी व उनका परिवार 10 वर्षीय गौरी को छोटी उम्र में घर लाया था, जो पिछले कुछ दिनों से बीमार थी और उसका निधन हो गया। परिवार ने फूल-मालाओं से सजे वाहन में गौरी को रखकर नई लाल चुनरी ओढ़ाई और नगर भ्रमण कराते हुए अंतिम यात्रा निकाली। यात्रा में आगे-आगे बैंड-बाजे बज रहे थे और पीछे लोग भजन-कीर्तन करते हुए गौमाता के जयकारे लगा रहे थे। गली-मोहल्लों में घरों के दरवाजों पर खड़े लोगों व महिलाओं ने लाल गोटे वाली चुनरी ओढ़ाकर गौरी को अंतिम प्रणाम किया। इसके बाद यात्रा कोठारी नदी के तट पर पहुंची, जहां वैदिक रीति-रिवाज और मंत्रोच्चार के बीच अंतिम संस्कार संपन्न हुआ. शाम को आयोजित शोक सभा में परिजनों, बच्चों और पड़ोसियों ने गौरी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उसे नम आंखों से याद किया. गट्टानी परिवार का गौरी से इतना गहरा लगाव था कि पिछले साल उसके जन्मदिन पर केक भी काटा गया था और उसी आत्मीयता के साथ उसे अंतिम विदाई दी गई।

CKS HOSPITALS
सी. के. एस. हॉस्पिटल्स, जयपुर और नाहर हेल्थ केयर सेंटर, भीलवाड़ा द्वारा
नियमित परामर्श सेवाएं
आपके शहर भीलवाड़ा में

डॉ. राहुल नाहर
ENT & Head Neck Surgery
MBBS, MS ENT & Head Neck Surgeon Sleep Apnea and Snoring Specialist

डॉ. सुश्रुत कालरा
Plastic, Hand & Cosmetic Surgeon
MBBS, MS (General Surgery),
MCh (Plastic & ReconstructiveSurgery),
Fellowship in Hand Surgery and Breast Reconstruction (Chelmsford, UK),
Fellowship in Cosmetic Surgery (Cadogan Clinic, UK).
Ex faculty SMS hospital jaipur.

डॉ. अरुण आर्य थ्योराण
Medical Gastroenterologist
MBBS, MD
(General Medicine),
Dr. NB
(Medical Gastroenterology)
समय : सुबह 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक
स्थानः- नाहर स्क्चायर सेवा सदन रोड, एपेक्स डायग्नोस्टिक सेंटर सेकंड फ्लोर, सेवा सदन स्कूल के पास, भीलवाड़ा, राजस्थान - 311001
प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को
Book An Appointment : 94622 39072, 9784024973
RHGS, CGHS, ECHS, ESIC, Indian Railway, Chiranjeevi & All TPS'S
CKSHospitals CKSHospitals www.ckshospitals.com
CKS Hospitals98A, Sikar Rd, Vishwakarma Industrial Area, Jaipur

राजस्थान का नं. 1 कोरियर सर्विस
DTDC Delivering Value
(M.) 94133-54317
PUSHPAK COURIER
सम्पूर्ण भारत में डाक एवं पार्सल की उत्तम सुविधा उपलब्ध हैं।
दुकान नं. 10, सदर बाजार, स्टेशन रोड, लक्ष्मण जनरल स्टोर के सामने, (मिर्ची वाले काबराजी की दुकान मेन मार्केट), भीलवाड़ा



DR. APURVA'S COSMO DENT CARE
SKIN | HAIR | LASER | DENTAL
अब भीलवाड़ा में नियमित सेवाएं

डॉ. प्रियांश जैन
MBBS, M.D. (SKIN & VD)
(BHU VARANASI)
पूर्व चिकित्सक अरिहन्त अस्पताल
रजि. हेतु सम्पर्क - 90247-23534
रविवार अवकाश
चर्म रोग, एलर्जी रोग एवं यौन रोग विशेषज्ञ
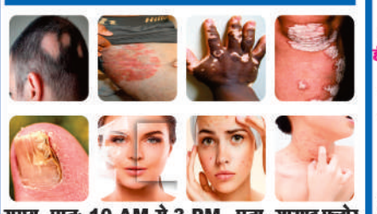
समय - प्रातः 10 AM से 3 PM, पता- ग्राउण्ड फ्लोर, सुराणा टॉवर, रामस्नेही अस्पताल के सामने, भीलवाड़ा
समय - सायं: 5 PM से 8PM
पता- पुर रोड़, पांसल चौराहा, भीलवाड़ा

डॉ. अपूर्वा धोका (जैन)
BDS, MDS ENDODONTIST (INDORE)
(Root Canal Specialist)
रजि. हेतु सम्पर्क - 76655-91929
अब अहमदाबाद जैसी सुविधाएं भीलवाड़ा जिले में पहली बार
रूट केनाल ट्रीटमेन्ट (RCT) के लिए बार-बार सिटिंग की जरूरत नहीं, अब एक सिटिंग में ही पाएं एडवांस टेक्नोलॉजी द्वारा सर्वोत्तम दर्द रहित उपचार

Expert in • Single Sitting Rotary RCT
• अत्याधुनिक मशीन द्वारा दाँतों की नसों का दर्द रहित इलाज • फिक्स दाँत लगाना • लेजर द्वारा दाँतों में मसाला भरना • इम्प्लान्ट • बच्चों के दाँतों का इलाज • सिस्ट एवं ट्यूमर का ऑपरेशन • दाँतों की सफाई एवं पॉलिशिंग • पायरिया का इलाज
समय - प्रातः 10 AM से 7 PM रविवार - 10 AM से 2 PM
पता– ग्राउण्ड फ्लोर, सुराणा टॉवर, रामस्नेही अस्पताल के सामने, भीलवाड़ा

पल्स पोलियो महाअभियान कल से, नन्हे कदमों की सुरक्षा के लिए निकाली जनजागरूकता रैली

51,500 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य, शहर में बनाए 190 स्थायी व 5 ट्रांजिट बूथ



भीलवाड़ा। शून्य से पांच वर्ष तक के नौनिहालों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए रविवार से शहर में तीन दिवसीय सघन पल्स पोलियो अभियान का आगाज होगा। 24 नवंबर तक चलने वाले इस महाअभियान के प्रति आमजन में अलख जगाने के उद्देश्य से शनिवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा राजकीय महात्मा गांधी चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में विशाल जनजागरण रैली निकाली गई। रैली को सीएमएचओ डॉ. सीपी गोस्वामी और एमजीएच अधीक्षक डॉ. अरुण गौड़ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में शामिल नर्सिंग प्रशिक्षण केंद्र की विद्यार्थियों ने हाथों में जागरूकता संदेश लिखी तख्तियां थामकर और दो बूंद जिंदगी की के गगनभेदी नारे लगाते हुए शहरवासियों को अपने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान डॉ. अभिनव निर्वाण, डॉ. अमूल पारीक, कोऑर्डिनेटर संदीप उपाध्याय, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. इंदिरा सिंह, लोकेश शर्मा और छगनलाल मीणा सहित चिकित्सा विभाग के कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

शहर में चप्पे-चप्पे पर मुस्तैद रहेंगी टीमें

अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए चिकित्सा विभाग ने शहरी क्षेत्र में माइक्रो प्लान तैयार किया है। इसके तहत करीब 51,500 बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। बच्चों की सुगमता के लिए शहर भर में 190 स्थायी बूथ स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन जैसे भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर यात्रियों के बच्चों को दवा पिलाने के लिए 5 ट्रांजिट बूथ तथा 15 मोबाइल टीमें भी तैनात की गई हैं। पूरी व्यवस्था की सख्त निगरानी के लिए 36 सुपरवाइजर और 15 सेक्टर मेडिकल ऑफिसर लगाए गए हैं।

पहले दिन बूथ पर, अगले दो दिन घर-घर दस्तक

अभियान की रूपरेखा के अनुसार पहले दिन यानी रविवार को सुबह से शाम तक सभी निर्धारित बूथों पर बच्चों को खुराक पिलाई जाएगी। इसके बाद 23 और 24 नवंबर को स्वास्थ्य कर्मियों व नर्सिंग विद्यार्थियों की टीमें घर-घर (डोर-टू-डोर) जाकर उन बच्चों को दवा पिलाएंगी, जो पहले दिन किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच पाए थे। सीएमएचओ डॉ. सीपी गोस्वामी और एमजीएच अधीक्षक डॉ. अरुण गौड़ ने शहरवासियों से अपील की है कि वे भारत को पोलियो मुक्त बनाए रखने में अपनी भागीदारी निभाएं और 0 से 5 वर्ष तक के हर बच्चे को दवा जरूर पिलवाएं।

चेक अनादरण के मामलों के निस्तारण को विशेष लोक अदालत शुरू, 12 बैंचों पर हो रही सुनवाई

सुबह से ही पक्षकारों के पहुंचने का सिलसिला जारी, बैंक दे रहे वन टाइम सेटलमेंट व ब्याज में विशेष छूट



भीलवाड़ा। चेक अनादरण (एनआई एक्ट धारा 138) से जुड़े लंबित प्रकरणों का आपसी समझौते और राजीनामे से त्वरित निस्तारण करने के लिए शनिवार को भीलवाड़ा न्यायक्षेत्र में विशेष लोक अदालत शुरू हो गई है। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार आयोजित इस विशेष लोक अदालत के लिए जिले भर में 12 बैंचें कार्य कर रही हैं, जहां सुबह से ही पक्षकारों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। जिला एवं सेशन न्यायाधीश अभय जैन के निर्देशन में जिले के सभी न्यायिक अधिकारी अधिक से अधिक प्रकरणों के निस्तारण में जुटे हुए हैं। गठित की गई सभी 12 बैंचों में अपर जिला न्यायाधीश (एडीजे) स्तर के न्यायिक अधिकारी, सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारी एवं अनुभवी अधिवक्ता सदस्य के रूप में मौजूद रहकर पक्षकारों के बीच समझाइश कर मामलों का हाथों-हाथ निपटारा कर रहे हैं।

बैंक दे रहे वन टाइम सेटलमेंट का लाभ

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती रश्मि आर्य ने बताया कि चेक बाउंस के लंबित मुकदमों की अधिकता और उनमें आपसी सुलह की प्रबल संभावनाओं को देखते हुए यह विशेष आयोजन किया जा रहा है। इस लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित मामलों के साथ-साथ भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और यूनियन बैंक के लंबित एवं प्री-लिटिगेशन (मुकदमा दर्ज होने से पूर्व के) प्रकरण भी रखे गए हैं। बैंकों की ओर से पक्षकारों को च्वन टाइम सेटलमेंटज (ओटीएस) ऑफर के तहत मूलधन व ब्याज की राशि में विशेष रियायत दी जा रही है।

समय और धन दोनों की होगी बचत

सचिव रश्मि आर्य ने आमजन व पक्षकारों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने चेक अनादरण से जुड़े विवादों को लोक अदालत के माध्यम से राजीनामे से समाप्त कराएं। लोक अदालत में मामले का निस्तारण होने से न केवल पक्षकारों के समय और धन की बचत होती है, बल्कि विवाद का हमेशा के लिए पटाक्षेप हो जाता है और न्यायालय की फीस भी वापस मिल जाती है।

ट्रांसपोर्ट नगर भूखंड विवाद: कोर्ट ने किया अपंजीकृत दस्तावेज व मुख्तारनामा खारिज

भीलवाड़ा। शहर की ट्रांसपोर्ट नगर योजना में व्यावसायिक भूखंड के स्वामित्व और कब्जे को लेकर चल रहे 13 साल पुराने मामले में सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट (पूर्व), भीलवाड़ा की पीठासीन अधिकारी रजनी सोनी ने अहम निर्णय सुनाया है। न्यायालय ने वादी वीर सावरकर चौक निवासी सुनील पुत्र श्यामलाल बाहेती के पक्ष में स्थायी निषेधाज्ञा की डिक्री पारित करते हुए प्रतिवादी मोहम्मद सलीम को भूखंड में अवैध प्रवेश करने, निर्माण कार्य में बाधा डालने या जबरन बेदखल करने से पाबंद कर दिया है। प्रकरण के अनुसार, ट्रांसपोर्ट नगर योजना के वार्ड संख्या 14 में स्थित 10 गुणा 20 फीट माप का भूखंड संख्या आरएस-119 मूल रूप से नगर विकास न्यास (यूआईटी) द्वारा लॉटरी के जरिए आमीन मंसूरी को आवंटित किया गया था। न्यास से पंजीकृत पट्टा विलेख और कब्जा प्रमाण-पत्र जारी होने के बाद सुनील बाहेती ने 25 अक्टूबर 2013 को पंजीकृत विक्रय-पत्र के माध्यम से यह भूखंड क्रय कर कब्जा संभाला था। वादी का आरोप था कि दिसंबर 2013 में निर्माण कार्य शुरू करने पर प्रतिवादी मोहम्मद सलीम ने असामाजिक तत्वों के साथ पहुंचकर काम रुकवाया, मारपीट की और भूखंड हथियाने की धमकी दी। दूसरी ओर, प्रतिवादी मोहम्मद सलीम ने 7 जून 2013 के नोटरीकृत मुख्तारनामा व अपंजीकृत विक्रय-पत्र के आधार पर अपने पुत्र मोहम्मद शरीफ के नाम 12 अगस्त 2013 को रजिस्ट्री कराने का दावा किया। दोनों पक्षों के साक्ष्यों व कानूनी प्रावधानों के विश्लेषण के बाद कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संपत्ति अंतरण अधिनियम व भारतीय पंजीकरण अधिनियम के तहत अचल संपत्ति का वैध हस्तांतरण केवल पंजीकृत दस्तावेज से ही संभव है। अपंजीकृत या नोटरीकृत मुख्तारनामा से स्वामित्व अंतरित नहीं होता। मूल आवंटी ने भी कोर्ट में वादी के पक्ष में विक्रय व कब्जा देने की पुष्टि की। अदालत ने प्रतिवादी व उसके परिजनों को भूखंड में दखल न देने और वाद का समस्त खर्च वादी को अदा करने के आदेश दिए हैं।

जनता का दो टूक फैसला : न नेताओं की मनमर्जी चलेगी, न सियासी गणित!

लोकजीवन न्यूज सर्विस, जहाजपुर



लोकतंत्र में जब मतदाता अपने वोट की ताकत से फैसला सुनाता है, तब मंचों से दिए जाने वाले बड़े-बड़े भाषण, चुनावी दावे और बंद कमरों में गढ़ी गई रणनीतियां अक्सर धरी रह जाती हैं। जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र में संपन्न हुए नगर पालिका और पंचायत राज चुनावों के नतीजों ने दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों को कड़ा संदेश दिया है। नगर पालिका चुनाव में कांग्रेस को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा, जबकि पंचायत राज चुनाव में भाजपा को बड़ा झटका लगा। इन परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि क्षेत्र की जनता किसी एक दल या नेता की बंधुआ नहीं है और सत्ता या समर्थन का अंतिम फैसला केवल मतदाता के हाथ में है।

सियासी गलियारों में इन दिनों इस बात पर मंथन तेज है कि आखिर जनता के बदलते मूड और जमीनी हकीकत को भांपने में दोनों दलों से कहां चूक हुई। नगर पालिका चुनाव में भाजपा ने 25 में से 15 सीटों पर कब्जा जमाकर कांग्रेस को महज 3 सीटों तक सीमित कर दिया, वहीं 7 सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों की जीत ने भी सियासी समीकरणों को प्रभावित किया। दूसरी ओर पंचायत राज चुनाव में भाजपा को अपेक्षित सफलता न मिलने से पार्टी की ग्रामीण रणनीति और जमीनी पकड़ पर सवाल खड़े होने लगे हैं। जनता का यह रुख साफ बताता है कि अब केवल नेताओं की पसंद, गुटबाजी, जातिगत या सियासी समीकरण और चुनावी प्रबंधन के सहारे विश्वास कायम रखना आसान नहीं रह गया है।

जहाजपुर की राजनीति में भाजपा एसटी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष एवं विधायक गोपीचंद मीणा और कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक धीरज गुर्जर दो प्रभावशाली चेहरे माने जाते हैं। दोनों नेताओं के समर्थकों द्वारा संगठन की मजबूती और जनाधार को लेकर समय-समय पर दावे किए जाते रहे हैं, लेकिन स्थानीय निकाय और पंचायत चुनावों के नतीजों ने दोनों के सामने अपनी-अपनी राजनीतिक जमीन को नए सिरे से परखने की चुनौती खड़ी कर दी है। शहरी क्षेत्र में कांग्रेस की कमजोर स्थिति ने धीरज गुर्जर के लिए स्थानीय संगठन को और सशक्त करने की जरूरत रेखांकित की है, तो ग्रामीण क्षेत्र में भाजपा को मिले झटके ने विधायक गोपीचंद मीणा और संगठन के लिए आत्ममंथन के द्वार खोल दिए हैं। विधानसभा चुनाव से पहले आए ये परिणाम दोनों दलों के लिए खतरे की घंटी भी हैं और संभलने का अवसर भी। यह साफ हो चुका है कि केवल बड़े नेताओं के नाम या प्रभाव के भरोसे चुनावी वैतरणी पार नहीं की जा सकती। मतदाताओं को स्थानीय स्तर पर निरंतर सक्रियता, कार्यकर्ताओं का सम्मान, ठोस विकास कार्य और आमजन से सीधा संवाद चाहिए। अब देखना यह होगा कि दोनों नेता इन नतीजों से क्या सबक लेकर अपनी कार्यशैली में बदलाव करते हैं या पुराने सियासी ढर्रे पर ही आगे बढ़ते हैं, क्योंकि लोकतंत्र में आखिरी फैसला नेताओं की बैठकों में नहीं, जनता के वोट से होता है।

जहाजपुर-खजुरी पंचायत समिति चुनाव में कांग्रेस का परचम

आतिशबाजी और मिठाई बांटकर मनाया जीत का जश्न

जहाजपुर। जहाजपुर और खजुरी पंचायत समिति चुनाव में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद क्षेत्र के राजनीतिक गलियारों में कांग्रेस खेमे में भारी उत्साह का माहौल है। चुनावी परिणाम घोषित होते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं और राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर के समर्थकों ने सड़कों पर उतरकर इस जीत का भव्य जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की, कांग्रेस के समर्थन में नारे लगाए और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर ऐतिहासिक जीत की बधाई दी।



इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने इस जीत को क्षेत्र की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ बताते हुए इसे आम जनता के अटूट विश्वास और जमीनी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम करार दिया। पदाधिकारियों का कहना था कि जहाजपुर और खजुरी पंचायत समिति में मिले इस प्रचंड जनसमर्थन ने स्थानीय स्तर पर कांग्रेस संगठन को नई संजीवनी और ऊर्जा प्रदान की है। कार्यकर्ताओं के लिए यह उत्सव दोहरी खुशी लेकर आया है। एक ओर जहां पंचायत समिति चुनाव में पार्टी ने शानदार सफलता दर्ज की है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव के रूप में धीरज गुर्जर को मिली नई जिम्मेदारी से समर्थकों का मनोबल सातवें आसमान पर है।

समर्थकों ने विश्वास जताया कि धीरज गुर्जर के कुशल नेतृत्व और निरंतर राजनीतिक सक्रियता से आगामी समय में क्षेत्र में कांग्रेस और अधिक मजबूत होगी। इसके साथ ही, इस चुनावी सफलता के बीच धीरज गुर्जर की माता एवं पूर्व प्रधान सीता देवी गुर्जर की ऐतिहासिक जीत भी पूरे क्षेत्र में चर्चा का प्रमुख केंद्र बनी रही। समर्थकों ने उनकी जीत को क्षेत्र में परिवार के मजबूत राजनीतिक जनाधार और जनता के भरोसे की मुहर बताया, जिससे जश्न का उत्साह कई गुना बढ़ गया। जीत के इस जश्न में कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह कानावत, वरिष्ठ कांग्रेस नेता बाबूलाल मीणा, मुकेश वैष्णव, ओबीसी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश जाट, मनोहरपुरा सरपंच प्रतिनिधि कुलदीप सिंह, केसरीमल खटीक, सरपंच लादूलाल धाकड़, सरपंच प्रतिनिधि सावन टाक, भोजालाल बलाई और शिवराज सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं धीरज गुर्जर समर्थक मौजूद रहे।

न्यूज इन बाक्स

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने 5 बसों के कटे चालान, वसूला 45 हजार जुर्माना



भीलवाड़ा। विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अभय जैन के आदेशानुसार जिले में सड़क सुरक्षा अभियान 2.0 के तहत सचिव रश्मि आर्य के निर्देशन में पिछले दो दिनों से आरटीओ टीम द्वारा विभिन्न चौराहों में स्लीपर कोच, लग्जरी बस, सिटी बस और मिनी बसों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर डीटीओ (जिला परिवहन टीम) द्वारा 05 बसों के चालान काटे गए, जिनकी कुल जुर्माना राशि 45,000 रही। सचिव रश्मि आर्य ने बताया कि परिवहन विभाग, यातायात पुलिस और जिला प्रशासन की संयुक्त प्रवर्तन टीमों द्वारा मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र, वैध परमिट, बीमा और प्रदूषण प्रमाण पत्र की जांच, आपातकालीन निकास और अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता एवं सुलभता, यात्री सुरक्षा को जोखिम में डालने वाले अनाधिकृत वाहन या संरचनात्मक दोष की पहचान। सिटी और मिनी बसों में निर्धारित स्पीड गवर्नर (गति-नियंत्रक) उपकरणों की अनिवार्यता और उनकी कार्यप्रणाली की जांच। यह अभियान पूर्णतः यात्रियों के जीवन की सुरक्षा और सुगम परिवहन व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए चलाया जा रहा है, जिसमें गंभीर सुरक्षा खामियां पाए जाने पर नियमानुसार सख्त वैधानिक कार्यवाही (चालान, ज़ब्ती आदि) अमल में लाई जाएगी।

जीतो लेडिज विंग ने फिटनेस मॉर्निंग में दिया फिट रहने का संदेश



भीलवाड़ा। जीतो भीलवाड़ा चैप्टर के मार्गदर्शन में जीतो भीलवाड़ा लेडिज विंग द्वारा जीतो स्पॉर्ट्स के तहत फिटनेस मॉर्निंग- जुम्बा, एथलेटिक्स एवं योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जुम्बा प्रशिक्षक आकांक्षा नामा ने वार्म अप और कार्डियों जैसे एथलेटिक अभ्यासों के साथ उर्जा से भरपुर जुम्बा, स्ट्रेचिंग एवं फेशियल योग का अभ्यास कराया। फिटनेस मॉर्निंग में उत्साह के माहौल में आपसी मेलजोल बढ़ाने के लिए कई तरह के गेम्स भी खिलाए गए जिनका सदस्यों ने भरपूर आनंद लिया। जीतो लेडिज विंग चेयरपर्सन नेहा नाहर ने स्वागत किया। चीफ सैकेट्री निकिता पाटोदी ने प्रशिक्षक आकांक्षा नामा सहित सभी का आभार जताया। कार्यक्रम में टिवंकल जैन, सोनल छाबड़ा, रितिका जैन, निकिता जैन, विनिता सूरिया, प्रिया सिंघवी, गीतांजलि बोहरा, नेहा नाहर, निधि पोखरना, रूचिका सेकसरिया जैन, चेतना जैन, रूचि जैन, प्रियंका बाबेल, मोनिका रांका, पायल डुंगरपुरिया, सुनीता पाटनी, श्वेता डांगी, नीलू सूरिया, स्मिता छाबड़ा आदि उपस्थित रही।

आसींद के सियासी गलियारों में फिर गूंजा 'तिकड़ी' का नाम

विधायक सांखला, कोऑर्डिनेटर राठौड़ और प्रभारी सोनगरा की रणनीति रही चर्चा में

लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा



जब्बर सिंह | उम्मेद सिंह | विकास सोनगरा

आसींद की राजनीति और संगठन स्तर पर एक बार फिर विधायक जब्बर सिंह सांखला, कोऑर्डिनेटर एडवोकेट उम्मेद सिंह राठौड़ और प्रभारी विकास सोनगरा की तिकड़ी चर्चा में है। हालिया राजनीतिक समीकरणों और जमीनी सर्वे के बीच इस तिकड़ी के समन्वय को लेकर कार्यकर्ताओं और स्थानीय राजनीतिक हलकों में विशेष चर्चा देखी जा रही है।

आसींद पंचायत समिति चुनाव में कुल 15 सीटों में से भाजपा ने 9 सीटें जीती। कांग्रेस को चार पर संतोष करना पड़ा। वहीं दो निर्दलीय विजयी हुए। आसींद में भाजपा का प्रधान बनना तय है। इस परिणाम से संगठन की गतिविधियों और चुनावी प्रबंधन में कोऑर्डिनेटर एडवोकेट उम्मेद सिंह राठौड़ की भूमिका लगातार मजबूत हुई है। जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर तालमेल और रणनीतिक सक्रियता के चलते संगठन में उनका कद बढ़ा है। क्षेत्र के बदलते राजनीतिक समीकरणों और चुनावी सर्वे को साधने में विधायक जब्बर सिंह सांखला के नेतृत्व के साथ-साथ कोऑर्डिनेटर उम्मेद सिंह राठौड़ और प्रभारी विकास सोनगरा की जुगलबंदी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

टिकट वितरण में रखी पूरी सावधानी

उम्मीदवारों के चयन से पहले संगठन के प्रत्येक सदस्य से व्यक्ति गत रूप से फीडबैक लिया गया। ज़मीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और सदस्यों की राय जानने व गहन मंथन करने के बाद ही योग्य दावेदारों को टिकट देने का अंतिम निर्णय लिया गया है, ताकि संगठन में एकजुटता बनी रहे।

नगरपालिका चुनाव में भी दिखी थी सक्रियता

इससे पूर्व नगरपालिका चुनाव के दौरान भी इस तिकड़ी की चुनावी रणनीति और आपसी तालमेल काफी चर्चा में रहा था। उस समय भी जमीनी स्तर पर किए गए प्रबंधन और समीकरणों को साधने की इस टीम की कार्यशैली की स्थानीय स्तर पर खूब चर्चा हुई थी।

प्राची मेहता जैन को न्याय दिलाने के लिए सड़कों पर उतरा जनसैलाब, निकाली न्याय यात्रा



भीलवाड़ा। 17 वर्षीय प्राची मेहता जैन की मौत के मामले में न्याय की मांग को लेकर शुक्रवार शाम शहर में श्रद्धांजलि एवं न्याय यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं, पुरुषों और युवाओं ने एकजुट होकर प्रशासन से निष्पक्ष जांच व दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की आवाज बुलंद की। यह न्याय यात्रा सूचना केंद्र चौराहे से प्रारंभ हुई, जो महात्मा गांधी सर्किल, गोल प्याऊ चौराहा और बालाजी मार्केट होते हुए पुनः सूचना केंद्र पहुंचकर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में प्रदर्शनकारियों ने प्राची को न्याय दिलाने की मांग करते हुए नारेबाजी की। उल्लेखनीय है कि प्राची मेहता की 13 नवंबर को उदयपुर के अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। परिजनों का आरोप है कि 11 नवंबर को भीलवाड़ा के सुभाष नगर स्थित लव-कुश मेडिकल स्टोर पर इंजेक्शन लगाए जाने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई थी। इस प्रकरण में पुलिस ने मेडिकल स्टोर संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर दुकान को सील किया था।

यात्रा के समापन पर नागरिकों ने प्रशासन के समक्ष चार प्रमुख मांगें रखीं। इनमें प्राची की मौत की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच, संबंधित मेडिकल संचालक की चिकित्सकीय योग्यता, इंजेक्शन लगाने की परिस्थितियों व उपचार प्रक्रिया की गहन जांच, दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई तथा अवैध और अनधिकृत चिकित्सा गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने की मांग शामिल है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह विषय केवल एक परिवार की पीड़ा नहीं, बल्कि आम नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा और चिकित्सा व्यवस्था की जवाबदेही से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। नागरिकों ने संकल्प लिया कि जब तक प्राची को न्याय नहीं मिल जाता, तब तक शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रहेगा, जिसके बाद प्राची को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

राजस्थान का मौसम : कोटा-उदयपुर में बारिश की संभावना, फतेहपुर में 5.5 डिग्री पहुंचा पारा तीन दिन में बढ़ेगी ठंड

जयपुर। राजस्थान में 21 और 22 नवंबर को कोटा, उदयपुर और अजमेर संभाग के कुछ इलाकों में हल्की बारिश के आसार हैं। फतेहपुर में पारा 5.5 डिग्री पहुंच गया है। अगले तीन से चार दिनों में तापमान 2 से 3 डिग्री गिर सकता है। आठ जिलों में सुबह कोहरे की संभावना है। राजस्थान में सर्दी का असर धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। शेखावाटी सहित उत्तरी राजस्थान के कई इलाकों में रात का तापमान लगातार गिर रहा है। सीकर के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इस बीच मौसम विभाग ने 21 और 22 नवंबर को दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में बादल छाने और हल्की बारिश की संभावना जताई है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार, 21 नवंबर को कोटा और उदयपुर संभाग के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। वहीं 22 नवंबर को अजमेर संभाग के कुछ इलाकों में भी बारिश के आसार हैं। इस दौरान कोटा और उदयपुर संभाग में भी कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। हालांकि बारिश का दायरा सीमित रहने का अनुमान है। जयपुर, बीकानेर, जोधपुर और भरतपुर संभाग में मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा। इन इलाकों में आसमान साफ रहने और धूप खिलने की संभावना है। 23 और 24 नवंबर को भी प्रदेश में मौसम शुष्क रहने का पूर्वानुमान है।

इन जिलों में सुबह कोहरे की संभावना

मौसम विभाग ने सवाई माधोपुर, बीकानेर, डूंगरपुर, भीलवाड़ा, कोटा, अजमेर, बूंदी और भरतपुर में सुबह के समय कोहरा छाने की संभावना जताई है। इससे कुछ स्थानों पर दृश्यता प्रभावित हो सकती है। वाहन चालकों को सुबह के समय सावधानी बरतने की जरूरत है।

राजस्थान के प्रमुख शहरों का तापमान

जयपुर में अधिकतम तापमान 26 और न्यूनतम 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अजमेर में अधिकतम 28.6 और न्यूनतम 12.8 डिग्री, अलवर में अधिकतम 27 और न्यूनतम 12.8 डिग्री, जोधपुर में अधिकतम 30 और न्यूनतम 17 डिग्री रहा। उदयपुर में अधिकतम तापमान 27 और न्यूनतम 17 डिग्री, कोटा में अधिकतम 30 और न्यूनतम 17 डिग्री, बाड़मेर में अधिकतम 33 और न्यूनतम 12.9 डिग्री तथा जैसलमेर में अधिकतम 33 और न्यूनतम 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कुल मिलाकर प्रदेश में बारिश की गतिविधियां दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों तक सीमित रहने की संभावना है। बाकी इलाकों में मौसम शुष्क रहेगा। तापमान में गिरावट के चलते आने वाले दिनों में सुबह और रात की ठंड बढ़ेगी, जबकि दिन में धूप से राहत मिलती रहेगी।

तीन से चार दिन में 2 से 3 डिग्री गिरेगा तापमान

मौसम में बदलाव के साथ प्रदेश में ठंड का असर और बढ़ेगा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन से चार दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है। इससे सुबह और रात के समय सर्दी ज्यादा महसूस होगी। शेखावाटी और उत्तरी राजस्थान के जिलों में ठिठुरन बढ़ने के आसार हैं। फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नागौर और माउंट आबू में पारा 7.9 डिग्री तथा भीलवाड़ा में 8.3 डिग्री सेल्सियस रहा। अलवर, चूरू और चित्तौड़गढ़ सहित कई शहरों में भी रात का तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। दूसरी ओर दिन में तेज धूप के कारण कई इलाकों में गर्माहट बनी हुई है। चित्तौड़गढ़ में अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक सम्पादक मुद्रक कैलाश त्रिवेदी द्वारा लोकजीवन मीडिया एण्ड पब्लिशर्स, नागौरी गार्डन भीलवाड़ा से मुद्रित एवं 207-214 नागौरी गार्डन, लोकजीवन कॉम्पलेक्स, भीलवाड़ा से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भीलवाड़ा ही होगा। आर.एन.आई. नं. 27201/76 पोस्टल रजि. नं. भीलवाड़ा/103/2024-2026, (मो.) 83067-92625 फोन नं. 355985, जयपुर कार्यालय : D-38, प्रधान पथ, चौमू हाउस, सी स्कीम, जयपुर फोन : 0141-4038281, E-mail : lokjeewan@gmail.com

आज का विचार

राजनीतिक दलों का उद्देश्य ही चुनाव जीत कर सत्ता संचालन की जिम्मेदारी संभाले यदि वे चुनाव ही नहीं लड़ेंगे तो जनदेश कैसे प्राप्त करेंगे।

शिवकुमार त्रिवेदी चिंतन सरिता

दैनिक **लोकजीवन**

हर चुनाव लड़ते रहेंगे

देश ने शासन व्यवस्था के लिए लोकतांत्रिक पद्धति को स्वीकार किया है। जिसमें जनता का जनता द्वारा जनता के लिए शासन होता है अर्थात लोकतंत्र पूरी तरह जनता पर आधारित पद्धति है। जिसमें जनता द्वारा ही मिले जनादेश के आधार पर जनता के प्रतिनिधि शासन व्यवस्था चलाते है। लोकतंत्र में बिना किसी अवरोध के सहज सत्ता हस्तान्तरण हो जाता है। जिस दल को पूर्ण बहुमत मिलता है । उसे शासन सौंप दिया जाता है सरकारें आती जाती है लेकिन जनादेश खो देने पर सत्ता छोड़ने में कोई आना- कानी नहीं की जाती। बल्कि जो दल या समूह बहुमत नहीं जुटा पाता, वह विपक्ष का दायित्व निभाता है लोकतंत्र में अल्पमत का भी पूरा सम्मान होता है और पक्ष विपक्ष मिल कर सदन चलाते है। जितनी जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की होती है विपक्ष की भी जिम्मेदारी होती है कि वह सरकार की कमियों व खामियों को न केवल उजागर करें बल्कि जागरूक रहकर अहम मुद्दे उठाता रहे ताकि सत्ता पक्ष निरंकुश नहीं हो सके। सत्ता पक्ष पर नकेल कसने की जिम्मेदारी विपक्ष की है। फिर सत्ता पक्ष व विपक्ष दोनों को ही जनता ने चुकर भेजा है इसलिए चुनाव नतीजों के बाद दोनों ही जनता के प्रतिनिधि है। जिन्हें सदन में बराबर का अधिकार है। बहुमत अल्पमत का विषय मत विभाजन की स्थिति में आता है अन्यथा सभी सदस्य समान अधिकार रखते है।

लोकतंत्र की आत्मा चुनाव है और राजनीति दलों का दायित्व है कि वे चुनाव लड़कर लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करें कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव में कथित गडबडियों के आरोपों के बीच शिकागो में छात्रों से बातचीत के दौरान कहा कि भारतीय लोकतंत्र पवित्र है। विपक्ष कभी चुनाव का बहिष्कार नहीं करेगा। उन्होंने इस संभावना को खारिज कर दिया कि विपक्ष चुनाव का बहिष्कार करें। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि लोकतंत्र पवित्र है। विपक्ष चुनाव में हिस्सा लेना जारी रखेगा और साथ ही देशभर में हो रही चुनावी गड़बडियों को उजागर भी करेगा गांधी ने कहा कि चुनावी गड़बडियों ने भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता को कमजोर किया है। ऐसी चिंताओं के चलते विपक्ष चुनाव लड़ने से पीछे नहीं हर सकता। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर अपनी राजनीतिक लड़ाई जारी रखेंगे। जिस लोकतंत्र समाप्त हो जायेगा। हम भारतीय लोकतंत्र के ढांचे को खत्म नहीं करना चाहते। आज आवश्यकता इस बात की है कि लोकतंत्र की पवित्रता, विश्वसनीयता बरकरार रखने के लिए सभी राजनीतिक दल अपनी जिम्मेदारी को निभाये।

कड़वी घूंट -सूरज

आपका पेट भरता ही नहीं ...

भूख और पेट का सक्रिय रिश्ता है जो खाने से जुड़ा हुआ है। पेट तो हर समय खाली ही रहता है बस भोजन करने से कुछ समय के लिए भूख मिट जाती है लेकिन स्थाई रूप से नहीं। भूख लगेगी, खाना खाने पर भूख मिटेगी और भोजन पचते ही फिर भूख लगेगी यह क्रम अनवरत चलता रहना है अर्थात भूख तो बनी ही रहने वाली है।

विपरित इसके सरकार व जनता या व्यापारियों उद्योगपतियों का भी संबंध देने और लेने वाहा है लोग सरकार से मांग करती है सरकार उसकी पूर्ति कर देती है। इससे समस्या समाप्त नहीं हो जाती, बल्कि एक मांग पूरी होने के बाद दूसरी मांग तैयार हो जाती है। सरकार देती रहेगी और जनता लेती रहेगी।

हां फिद्धी सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उद्योगपतियों को खरी-खरी सुनाई कि आपका पेट भरता ही नहीं। टेक्स धराया तो कर्मियों की संख्या सैलेरी बढ़ाई क्या। उन्होंने कहा कि सरकार ने कॉर्पोरेट टेक्स 30 से घटाकर 22 प्रतिशत तथा 12 लाख तक कमाई पर इनकम टेक्स शून्य कर दिया लेकिन इतने फायदे के बाद भी आपने कर्मचारियों की संख्या और सैलरी बढ़ाई क्या। अब यह आप जानो कि सरकार से राहत और सुविधा भी मांगी जाती रहेगी। मांगे समाप्त नहीं होगी नई मांगे आ जाएगी। सरकार भी देती रहेगी।

सुवालका समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में 60 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

नाइजीरिया में रह रहे इंजीनियर छोटू सुवालका ने 9.51 लाख रुपए की बोली छुड़वाकर बने धर्मपिता

लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा

सुवालका कलाल महासभा संस्थान की ओर से आयोजित तुलसी विवाह एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। नेहरू विहार स्थित सुवालका भवन प्रांगण, रिंग रोड के समीप श्रीराम पार्क में आयोजित समारोह में 60 जोड़े वैदिक रीति-रिवाजों के साथ परिणय सूत्र में बंधे।

संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश सुवालका सांगानेर ने बताया कि सुबह ईरास चौराहे से सम्मेलन स्थल तक भव्य बिंदोली निकाली गई। इसमें दूल्हे घोड़ों पर सवार होकर तथा दुल्हनें आकर्षक बग्गियों में सवार होकर शामिल हुईं। बैंड-बाजों की धुनों के बीच निकली बिंदोली का जगह-जगह स्वागत किया गया। इस



दौरान जेसीबी मशीन से पुष्पवर्षा भी की गई। सम्मेलन स्थल पर पारंपरिक तोरण रस्म के बाद गायत्री परिवार के विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से सभी जोड़ों का विवाह सम्पन्न करवाया। प्रदेश प्रवक्ता कैलाश सुवालका हलेड़ ने बताया कि मूलतः तेलीखेड़ा निवासी एवं वर्तमान में नाइजीरिया में रह रहे समाजसेवी इंजीनियर छोटू लाल सुवालका ने 9 लाख 51 हजार रुपये की बोली छुड़वाकर धर्मपिता बनने का दायित्व निभाया। विवाह समारोह के बाद भामाशाह सम्मान, अतिथि सत्कार एवं आशीर्वाद समारोह आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि सांसद दामोदर अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि विधायक अशोक कोठारी, महापौर जसवंत कंवर, पूर्व सांसद सुभाष बहेड़िया एवं पूर्व विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी ने नवदंपतियों को सुखद वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया। अतिथियों ने सामूहिक विवाह सम्मेलनों को सामाजिक एकता, सहयोग और समरसता का प्रतीक बताते हुए ऐसे आयोजनों की सराहना की। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष श्यामलाल, प्रदेश महामंत्री सत्यनारायण सुवालका गांगलास, श्यामलाल गेता पारोली, बाबू लाल गंगरार, कोषाध्यक्ष अशोक कुमार रमा विहार, सचिव देवेंद्र पिथास, प्रदेश प्रवक्ता हीरालाल सुवालका नीम का खेड़ा, संरक्षक बालचंद सुवालका गांगलास, रामेश्वर लाल, संपत घेवरिया, भंवरलाल जोधड़ास, लक्ष्मी लाल सबलपुरा, शांतिलाल पांसल सहित युवा कार्यकारिणी के शंकरलाल, मुकेश पारोली, ओमप्रकाश, लक्की सुवालका, छोटू सुवालका एवं संस्थान के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

पंचायत चुनावों में जीत पर कांग्रेसियों ने मनाया जश्न



बिजयनगर। पंचायत समिति मसूदा व भिनाय में कांग्रेस को बहुमत मिलने कांग्रेसियों ने आतिशबाजी कर मिठाई वितरण कर जश्न मनाया। नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अंकित तातेड़ के नेतृत्व में चार बत्ती चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में खुशी का इजहार किया। नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अंकित तातेड़ ने मसूदा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व वर विधायक राकेश पारीक, कांग्रेस नेता संग्राम सिंह गुर्जर, अजमेर डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी, ब्यावर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष किशोर चौधरी के मार्गदर्शन में भिनाय व मसूदा पंचायत समिति में कांग्रेस का परचम लहराया है। इस दौरान पालिका उपाध्यक्ष प्रतिनिधि पीयूल लुणावत,पालिका पार्षद भोपाल सिंह, जुगल किशोर अरोड़ा, ओमप्रकाश मेघवंशी, सुभाष लोढ़ा, नवीन सोनी, जितेंद्र बैरवा सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

देव प्रबोधिनी एकादशी पर बाड़ी माताजी तीर्थ धाम पर हुआ दीपदान



बिजयनगर। देव प्रबोधिनी एकादशी पर शक्ति पीठ स्थल बाड़ी माताजी तीर्थ धाम पर ठाकुर जी का आकर्षक श्रृंगार किया गया। सायंकाल ओम की आकृति बनाकर दीपदान किया गया। बाड़ी माताजी तीर्थ धाम की मुख्य सेविका कृष्णा टाक ने बताया कि धर्मावलंबियों ने बाड़ी माताजी का दर्शन लाभ लेकर दीपदान किया गया। इस दौरान बाड़ी माताजी भक्त मंडली के सदस्यों सहित अन्य श्रद्धालु भी उपस्थित थे।

खाटूश्यामजी का जन्मोत्सव भक्तों ने केक काट कर मनाया



बिजयनगर। भगवान खाटूश्यामजी के जन्मोत्सव पर सब्जी मंडी बाज़ार में श्याम भक्तो ने केक काट कर मनाया। सब्जी मंडी बाज़ार स्थित कन्हैया मिनी मार्ट पर आयोजित कार्यक्रम में श्याम भक्तो ने जयकारों के साथ केक काट कर जन्मोत्सव मनाया। इस दौरान मुकेश तायल , वेदप्रकाश सोनी, जुगल किशोर अरोड़ा, अमित बोहरा, अमित बुरड़, अभिषेक बड़जात्या,मनोज तायल सहित अन्य श्याम भक्त भी उपस्थित थे।

श्री राम के आदर्शों का समावेश प्रत्येक व्यक्ति में होना चाहिए - मुरलीधर महाराज

बिजयनगर। भगवान श्री राम के आदर्शों को जीवन में घर के प्रत्येक व्यक्ति में होना चाहिए।यह उद्गार कथावाचक मुरलीधर महाराज ने श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ में कथा का वाचन करते हुए किए । मुरलीधर महाराज ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जीवन से त्याग, सेवा, धर्म मर्यादा, संस्कारो का संदेश जन जन तक पहुंचे। इसलिए श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ में कथा श्रवण कर धार्मिक लाभ उठाकर जीवन सफल बनाएं। संकटमोचन हनुमान मंदिर नाड़ी मोहल्ला व सर्व समाज के तत्वावधान में आयोजित श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन 20 से 28 नवंबर तक किया जा रहा है। इस दौरान समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र माली, धीरज सिंह चौहान, पंडित लक्ष्मण दास महाराज, पं घीसालाल शर्मा, मुकेश तायल सहित अन्य धर्मावलंबीयो ने कथा श्रवण कर लाभ उठाया।



घास भैरू बाबा दरबार में भजन संध्या में भोर तक जमे रहे श्रद्धालु

लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा

शाहपुरा। चमना बावड़ी स्थित शिवाजी मार्ग पर घास भैरू सेवा समिति के तत्वावधान में देवउठनी ग्यारस की पूर्व संध्या पर भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुरेश राव समेलिया एंड पार्टी ने भजनों की प्रस्तुति के साथ की। कलाकारों ने घास भैरू बेगा-बेगा आओ और कान्हा कांकरिया मत मारे सहित कई लोकप्रिय भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस दौरान पीरू जी समेलिया द्वारा भैरूनाथ की विशेष झांकी सजाई गई, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया। वहीं, भीलवाड़ा से आए तेजू सिंह रावत ने अपनी कॉमेडी और झांकी के माध्यम से श्रोताओं को खूब हंसाया। डांसर सुशील ढिकोला सहित अन्य कलाकारों की प्रस्तुतियों ने देर रात



तक पंडाल में मौजूद लोगों को बांधे रखा। भजन संध्या से पूर्व घास भैरू सेवा समिति की ओर से कलाकारों और अतिथियों का सम्मान किया गया। समिति के सदस्यों ने श्रीराम मंदिर के महंत सीताराम महाराज को शॉल ओढ़ाकर और माला पहनाकर स्वागत किया। इसके अतिरिक्त नाथू कहार, घास भैरू मंदिर के पुजारी गोपाल तेली और मुकेश तेली का भी अभिनंदन किया गया। आयोजन को सफल बनाने में समिति के कार्यकर्ता सांवरा कहार, सुरेश जीनगर, किशन जीनगर, मुरली सोनी, गोपाल कहार, सांवरा सोनी, नरेश कोली, रमेश कहार, सुरेश कहार, पुष्पेन्द्र कोली, महेश सोनी, चेतन सिंधी, कन्हैयालाल तेली और बबलू कोली सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। भजन संध्या रात्रि नौ बजे से सुबह चार बजे तक चली। अंत में घास भैरू जी की आरती उतारी गई और श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया।

मोक्षधाम में 10 लाख रुपए की लागत से बनेगा पानी का टैंक

शाहपुरा। नगर पालिका क्षेत्र के मोक्षधाम में करीब 10 लाख रुपए की लागत से पानी का टैंक एवं प्लांट स्थापित करने की योजना को लेकर जयपुर से अधिकारियों की टीम मोक्षधाम पहुंची।

इस दौरान करीब 8 से 10 अधिकारियों, ठेकेदार एवं पालिका के जिम्मेदार कार्मिकों ने प्रस्तावित कार्य को लेकर चर्चा की। प्रस्तावित प्लांट से प्राप्त पानी का उपयोग भविष्य में मोक्षधाम परिसर में लगे पेड़-पौधों की सिंचाई के लिए स्थायी रूप से किया जा सकेगा। इससे पानी का सदुपयोग होने के साथ ही मोक्षधाम परिसर में हरियाली बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। यह प्लांट नगरवासियों के जनहित एवं पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए स्थापित किया जाना प्रस्तावित है। अधिकारियों ने कार्य को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक दस्तावेज, नक्शे एवं अन्य तकनीकी कागजात उपलब्ध करवाने तथा प्रक्रिया को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि निर्माण कार्य को गति मिल सके।

आनंदधाम में आज ठाकुर जी को धराएंगे गन्ना, रात्रि जागरण होगा

भीलवाड़ा । पुष्टिमार्गीय परंपरा से संचालित श्री आनंदधाम हवेली मंदिर में आज प्रबोधिनी एकादशी मनाई जाएगी। प्रभु श्रीनाथजी, श्री द्वारकाधीश व लालन जी को गन्ना धराए जाएंगे। मंदिर ट्रस्टी सुमन राजेंद्र बाहेती ने बताया कि ठाकुर जी के उत्थापन दर्शन भीतर होंगे। मंडप के दर्शन शाम 6:15 से 7 बजे तक होंगे। जागरण दर्शन रात्रि 9:30 से 11:30 बजे तक खुले रहेंगे। बाहेती ने बताया कि वैष्णव भक्त भी ठाकुर जी को गन्ना धराने की सेवा कर सकते हैं। इसके लिए वे मंदिर अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। 22 नवंबर को ठाकुर जी के मंगला और श्रृंगार दर्शन भीतर होंगे। राजभोग दर्शन सुबह 7:30 से 8:30 तक हो सकेंगे।

शाहपुरा, फूलिया कला और बनेड़ा में कांग्रेस का प्रधान बनना तय

जनप्रतिनिधि की कार्यशैली से भाजपा को झटका

लोकजीवन न्यूज सर्विस, शाहपुरा

पंचायत समिति शाहपुरा एवं फूलिया कला के चुनाव परिणाम घोषित होने के साथ ही शाहपुरा, फूलिया कला और बनेड़ा में कांग्रेस का प्रधान बनना अब तय हो गया है। जानकारों के अनुसार शाहपुरा-बनेड़ा विधानसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधि की कार्यशैली और व्यवहार को लेकर क्षेत्र के मतदाताओं में भारी आक्रोश था, जिसका खामियाजा भाजपा संगठन को भुगतना पड़ा है। इससे पूर्व नगर पालिका चुनाव में भी 35 पार्षदों में से भाजपा के मात्र 8 पार्षद ही निर्वाचित हो सके थे। पंचायत समिति चुनाव के आंकड़ों पर नजर डालें तो शाहपुरा की 15 सीटों में से कांग्रेस के 11 और भाजपा के 4 सदस्य विजयी रहे।

फूलिया कला की 15 सीटों में कांग्रेस के 10, भाजपा के 4 और आरएलपी का 1 सदस्य निर्वाचित हुआ। वहीं बनेड़ा की 17 सीटों में से कांग्रेस के 12 और भाजपा के 5 सदस्य चुनाव जीते हैं। शाहपुरा पंचायत समिति में प्रधान पद सामान्य महिला के लिए आरक्षित है, लेकिन जनप्रतिनिधि ने चुनाव में सामान्य महिला को टिकट नहीं दिया। चर्चा है कि वे सामान्य महिला के स्थान पर ओबीसी महिला को प्रधान बनाना चाहते थे, लेकिन जिस प्रत्याशी को प्रधान बनाने का उद्देश्य था, वह चुनाव हार गई। इसके पीछे क्या राज रहा, यह आमजन में चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं फूलिया कला में प्रधान पद अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित है और वहां कांग्रेस का एससी सदस्य निर्वाचित हुआ है। फूलिया कला में भी जनप्रतिनिधि की कार्यशैली के प्रति नाराजगी से भाजपा को नुकसान उठाना पड़ा। शाहपुरा में सामान्य महिला प्रधान पद के लिए कांग्रेस से वार्ड नंबर 7 की पुष्पा महेश लड्ढा विजयी हुई हैं, जो सामान्य श्रेणी से आती हैं। इसके अलावा वार्ड नंबर 13 से सीमा भंवर जाट और वार्ड नंबर 3 से काली देवी छोटू जाट भी निर्वाचित हुई हैं। अब इन्हीं चेहरों में से प्रधान बनने को लेकर सियासी गलियारों में चर्चाएं तेज हैं।

सर्व सनातन विवाह सम्मेलन 11 फरवरी को, महज 365 रुपए में रजिस्ट्रेशन

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा के नेहरू रोड स्थित प्रथम पूजनीय श्री रोकड़िया गणेश जी महाराज के मंदिर परिसर में सर्व सनातन धर्म का चौथा सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित 11 फरवरी को किया जाएगा। श्री शिव वालाजी एवं रोकड़िया गणेश मन्दिर सेवा समिति के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश शाह ने बताया कि आगामी वसंत पंचमी पर होने वाले सम्मेलन के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। सम्मेलन में भाग लेने के लिए वर की उम्र 21 वर्ष और वधू की उम्र 18 वर्ष पूरी होनी अनिवार्य है। पंजीकरण की अंतिम तिथि 11 जनवरी 2027 है। फार्म शुल्क 365 और अमानत राशि 21 हजार रुपए रखी गई है। विवाह के दौरान वर और वधू पक्ष को उपहार सामग्री भी प्रदान की जाएगी। राजस्थान सरकार द्वारा हर जोड़े को मिलने वाले 21,000 के विवाह अनुदान का लाभ प्राप्त करने के लिए वर-वधू की सही जन्म तिथि, आधार कार्ड, जन आधार कार्ड और बैंक खाता होना जरूरी है। सभी दस्तावेज बैंक खाते से लिंक होने चाहिए। समिति का मुख्य उद्देश्य गरीब रेखा और कमजोर वर्ग के परिवारों की शादियों को बिना किसी आर्थिक भार के सुगमता से संपन्न कराना है।

रिलीफ सोसायटी के परिहार अध्यक्ष

लोकजीवन न्यूज सर्विस, शाहपुरा

रिलीफ सोसायटी की आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से शक्ति सिंह परिहार को आगामी पांच वर्षों के लिए समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। उनके मनोनयन पर उपस्थित सदस्यों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

नवनियुक्त अध्यक्ष शक्ति सिंह परिहार ने बताया कि शाहपुरा मोक्षधाम में पिछले पांच महीनों से निरंतर विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। हाल ही में राज्य सरकार से



समन्वय स्थापित कर करीब 10 लाख रुपये की लागत से वाटर प्लांट लगाए जाने की योजना को मूर्त रूप दिया जायगा। इसके साथ ही मोक्षधाम परिसर में स्थायी पाइपलाइन बिछाने तथा पौधों की देखभाल एवं संरक्षण का कार्य भी प्रगति पर है। इस अवसर पर विक्रम सिंह परिहार,चंद्रप्रकाश जोशी, पार्षद राजेंद्र बोहरा,राजकुमार अग्रवाल, पूर्व पार्षद सुभाष व्यास, बालाजी लक्षकार,गोपाल लक्षकार एवं पूर्व पार्षद स्वराज सिंह शेखावत, अनुज कांटिया राधेश्याम सोनी,सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

माहेश्वरी समाज के स्नेह मिलन में भजन संध्या, भक्ति रस में डूबे



लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा

वीएसपी नगर माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वावधान में विजय सिंह पथिक नगर माहेश्वरी समाज का दिवाली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया।

छप्पन भोग, महाआरती और अतिथियों के सम्मान के बीच समाजजनों ने उत्साह से भाग लिया। सदस्यों ने भाग लेकर सामाजिक एकता का परिचय दिया। युवा संगठन अध्यक्ष सुधांशु पटवारी एवं मंत्री हिमांशु सोनी ने बताया कि शुभारंभ भजन संध्या के साथ हुआ। भजनों की मधुर प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। संयोजक चिराग मंडोवरा ने बताया कि श्याम मित्र मंडल की ओर से ठाकुरजी को छप्पन भोग अर्पित किया गया। महाआरती हुई। अध्यक्ष बनवारी सोमानी एवं मंत्री महावीर अजमेरा ने अतिथियों का सम्मान किया। समारोह में अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व अध्यक्ष रामपाल सोनी, महामंत्री राजकुमार कालिया, पश्चिमांचल उपसभापति कैलाश कोठारी, राधेश्याम चेचाणी, पूर्व सांसद सुभाष बहेड़िया, उपमहापौर राधेश्याम सोमानी, लादूराम बांगड़ (कंचन ग्रुप), केजी तोषनीवाल, अनिल बांगड़, जिलाध्यक्ष अशोक बाहेती, मंत्री रमेश राठी, प्रदीप बल्दवा, केदार गगरानी, सुशील मरोठिया, सुरेश कचोलिया, केदार जागेटिया, सुरेश बिड़ला, युवा संगठन प्रदेश अध्यक्ष दीपक आगाल, मंत्री तरुण सोमानी, नगर युवा संगठन अध्यक्ष रौनक भदादा एवं मंत्री आशीष तोषनीवाल आदि उपस्थित थे।

प्रदूषण के खिलाफ अब देश के 4 लाख डॉक्टर मैदान में, आईएमए तैयार करेगा श्वेत पत्र

क्लीन एयर, ग्रीनर हॉस्पिटल का लिया संकल्प

आईएमए पर्यावरण कमेटी की हुई पहली बैठक

भीलवाड़ा। प्रदूषण और उससे आमजन के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर दुष्प्रभावों की रोकथाम के लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने राष्ट्रीयस्तर पर कमर कस ली है। राष्ट्रीय आईएमए की प्रदूषण एवं पर्यावरण स्टैंडिंग कमेटी की प्रथम वर्चुअल बैठक कमेटी के चेयरमैन डॉ. परमजीत गंभीर (पंजाब) की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जे. नायक



(गुजरात) एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रेसिडेंट इलेक्ट डॉ. डी.डी. चौधरी (उत्तराखंड) शामिल हुए। बैठक का संचालन कमेटी संयोजक डॉ. पीयूष जैन (दिल्ली) ने किया। बैठक में भीलवाड़ा से कमेटी सदस्य डॉ. फरियाद मोहम्मद ने भी शिरकत की। डॉ. फरियाद मोहम्मद ने बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जे. नायक ने प्रदूषण के कारण आमजन की सेहत पर पड़ रहे गंभीर खतरों पर चिंता जताई। उन्होंने निर्देश दिए कि कमेटी इस विषय पर गहन मंथन कर तथ्यात्मक रिपोर्ट के आधार पर एक श्वेत पत्र तैयार करे। यह दस्तावेज भारत सरकार को सौंपा जाएगा, ताकि नीतिगत बदलावों के जरिए प्रदूषण पर लगाम लगाकर नागरिकों को गंभीर बीमारियों से बचाया जा सके।

4 लाख डॉक्टर बनेंगे पर्यावरण एंबेसडर

चेयरमैन डॉ. परमजीत गंभीर ने कहा कि कमेटी वायु, जल, ध्वनि और विकिरण प्रदूषण के कारणों व दुष्प्रभावों का डेटा जुटाएगी। आईएमए अपनी देशव्यापी 1800 से अधिक शाखाओं और 4 लाख से ज्यादा चिकित्सक सदस्यों के नेटवर्क के माध्यम से जन-जागरूकता अभियान चलाएगा। संयोजक डॉ. पीयूष जैन ने कहा चिकित्सकों के प्रति विश्वास का उपयोग करते हुए उन्हें पर्यावरण एंबेसडर के रूप में तैयार किया जाएगा, जो क्लीन एयर, क्लीन वाटर, ग्रीनर हॉस्पिटल और स्वस्थ आमजन की परिकल्पना को साकार करेंगे।

प्रदेश स्तर पर भी गठित होंगी कमेटियां

बैठक के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से जुड़े सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे नवाचारों को साझा किया। राष्ट्रीय नेतृत्व ने सभी राज्यों को निर्देश दिए हैं कि वे शीघ्र ही प्रदेश स्तर पर भी ऐसी ही समितियों का गठन करें, ताकि जमीनी स्तर से सुझाव लेकर निर्णयों का त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। इसके साथ ही राष्ट्रीय, राज्य और शाखा स्तर पर होने वाली सीएमई और कॉन्फ्रेंस में भी पर्यावरण संरक्षण को प्रमुख विषय के रूप में शामिल किया जाएगा।

सेवानिवृत्त कर्मचारी महासंघ के ओझा, चतुर्वेदी प्रदेश उपाध्यक्ष, खंगारोत प्रदेश मंत्री

भीलवाड़ा ।राजस्थान परिवहन निगम संयुक्त सेवानिवृत्त कर्मचारी महासंघ (बीएमएस से संबद्ध) का चौथा त्रैवार्षिक प्रदेश अधिवेशन जयपुर में हुआ। इसमें प्रदेशाध्यक्ष रामनारायण गौड़ ने नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की। भीलवाड़ा जिले से तीन सदस्यों को कार्यकारिणी में स्थान मिला। वरिष्ठ उपाध्यक्ष हीरालाल ओझा व राजेश चतुर्वेदी तथा प्रदेश मंत्री गणपत सिंह खंगारोत को बनाय गया।

2070 में दुनिया में किस धर्म के कितने लोग होंगे

दुनिया में मौजूदा समय में ईसाई, इस्लाम और हिंदू धर्म मानने वालों की आबादी सबसे ज्यादा है। अगले कुछ वर्षों में भी यह स्थिति बने रहने का अनुमान है। हालांकि, इस दौरान अलग-अलग धर्मों की आबादी की हिस्सेदारी में बड़ा बदलाव दिखने वाला है। आने वाले वर्षों में ईसाई धर्मावलंबियों को पछाड़कर इस्लाम धर्मावलंबियों की आबादी सबसे ज्यादा हो सकती है। वहीं, हिंदू धर्म मानने वालों की हिस्सेदारी में भी बड़ा बदलाव हो सकता है। यह अनुमान दुनिया की प्रमुख सर्वेक्षण और अनुसंधान एजेंसी-प्यू रिसर्च सेंटर के एक अध्ययन में लगाया गया है। अध्ययन में ईसाई, मुस्लिम, हिंदू, बौद्ध, यहूदी आदि धर्मों को शामिल किया गया है।

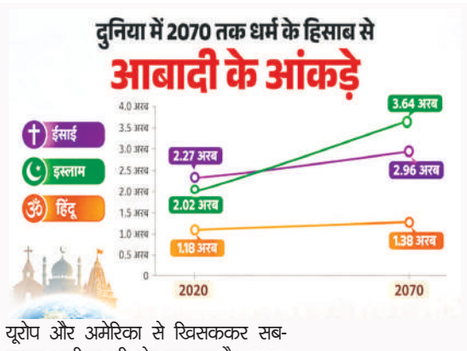

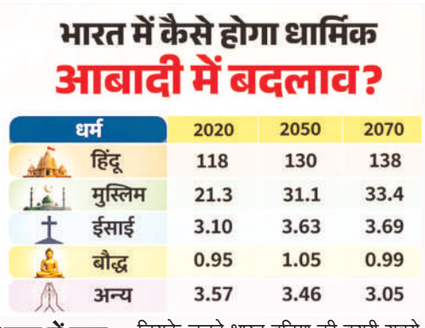

धर्म	2020	2050	2070
हिंदू	118	130	138
मुस्लिम	21.3	31.1	33.4
ईसाई	3.10	3.63	3.69
बौद्ध	0.95	1.05	0.99
अन्य	3.57	3.46	3.05

दुनिया में क्या है अलग-अलग धर्मों के भविष्य का अनुमान?

प्यू रिसर्च सेंटर के 2020 से 2070 के जनसंख्या प्रक्षेपण अध्ययन के अनुसार, वैश्विक स्तर पर अलग-अलग धर्मों के भविष्य और जनसांख्यिकी में बड़े बदलाव आने का अनुमान है।

1. इस्लाम

सबसे तेज वृद्धि: अध्ययन में मुस्लिम आबादी के सबसे तेज गति से बढ़ने का अनुमान लगाया गया है, जो 2020 में 2.02 अरब से बढ़कर 2070 तक 3.64 अरब हो सकती है।

सबसे बड़ा धर्म: अभी दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी ईसाई धर्म मानने वालों की है। अनुमान के मुताबिक, 2035 तक मुस्लिम लोगों की संख्या दुनिया में सबसे **ज्यादा हो जाएगी। 2070 तक दुनिया की कुल आबादी में मुस्लिमों की हिस्सेदारी बढ़कर 36 हो सकती है, जो 2020 में 26 थी।**

क्षेत्रीय बदलाव: एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 2040 तक मुस्लिम आबादी सात मुख्य धर्म समूहों से अलग लोगों की आबादी को पछाड़कर सबसे बड़ा समूह बन जाएगी। 2070 तक पाकिस्तान दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाला देश बन जाएगा, जहां इनकी आबादी अनुमानित 46.1 करोड़ होगी। वहीं, भारत दूसरे स्थान पर होगा, जहां इस्लामिक आबादी 33.4 करोड़ होगी। पाकिस्तान इस्लामिक आबादी के मामले में यह ताज इंडोनेशिया से नहीं, बल्कि भारत से हासिल करेगा।

2. ईसाई धर्म

धीमी वृद्धि: ईसाइयों की संख्या में वृद्धि जारी रहेगी लेकिन इसकी गति थोड़ी धीमी होगी; 2070 तक इनकी आबादी तीन अरब से थोड़ी कम रहने का अनुमान है।

केंद्र का स्थानांतरण: ईसाई धर्म का केंद्र यूरोप और अमेरिका से खिसककर सब-सहारा अफ्रीका की ओर बढ़ रहा है। 2070 तक दुनिया के 50 से अधिक ईसाई इसी क्षेत्र में रहेंगे, और डेमोटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो (डीआरसी) अमेरिका को पछाड़कर सबसे बड़ी ईसाई आबादी वाला देश बन सकता है।

यूरोप और अमेरिका में गिरावट: ऐसा अनुमान है कि 2070 तक यूरोप में दुनिया के केवल 11 ईसाई होंगे, जो 2020 में 22 थे। वहीं, अमेरिका 2065 तक अपना ईसाई बहुमत खो सकता है, हालांकि वह वहां का सबसे बड़ा समूह बना रहेगा।

3. हिंदू धर्म

कुल आबादी में बढ़ोतरी, वैश्विक हिस्सेदारी में कमी: दुनिया भर में हिंदुओं की कुल संख्या 2020 से 2070 के बीच 19.9 करोड़ बढ़कर लगभग 1.4 अरब पहुंच सकती है। हालांकि, अन्य गैर-हिंदू समूहों की तेज बढ़ोतरी की वजह से वैश्विक आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी 15 से घटकर 14 रह जाएगी।

4. धर्मविहीन लोग

ब्रिटेन, फ्रांस और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में किसी धर्म से न जुड़े लोग (नास्तिक, अज्ञेयवादी, आदि) 2070 तक बहुसंख्यक हो जाएंगे। दुनिया के लगभग 70 देशों में इनकी संख्या बढ़ेगी। इसके बावजूद वैश्विक स्तर पर धर्मविहीन लोगों की हिस्सेदारी 24 से गिरकर 17 रह जाएगी, क्योंकि दुनिया के अधिकांश नन्स (हृष्टद्वह्य) चीन में रहते हैं और वहां की कुल आबादी में भारी गिरावट का अनुमान है।

5. बौद्ध धर्म

आबादी में गिरावट: पूर्वी एशिया (खासकर चीन, जापान और दक्षिण कोरिया) की उम्रदराज और घटती आबादी के कारण बौद्ध आबादी में भारी कमी देखी जाएगी। इन देशों में बौद्धों की संख्या आधी से भी कम होने का अनुमान है। साथ ही लाओस और मंगोलिया अपना बौद्ध बहुसंख्यक दर्जा खो सकते हैं।

भारत में क्या रहेगी अलग-अलग धर्मों की स्थिति?

प्यू के अध्ययन के मुताबिक, आने वाले दशकों (2050 और 2070 तक) में भारत की धार्मिक जनसांख्यिकी में धीमा लेकिन अहम बदलाव देखने को मिलेगा।

1. हिंदू धर्म

2050 तक का अनुमान : भारत में हिंदू आबादी भारी बहुमत में बनी रहेगी। 2050 तक भारत में हिंदुओं की संख्या लगभग 1.38 अरब पहुंचने का अनुमान है, और यह देश की कुल आबादी का 76.7 होगी।

2070 तक का अनुमान: 2020 से 2070 के बीच भारत में हिंदू आबादी में 17.6 करोड़ की बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि, अन्य समूहों की तेज वृद्धि के कारण भारत की कुल आबादी में हिंदुओं का अनुपात 79 प्रतिशत (2020) से घटकर 76 प्रतिशत (2070) रह जाएगा।

वैश्विक केंद्र: भारत दुनिया के अधिकांश (लगभग 94-95 प्रतिशत) हिंदुओं का घर बना रहेगा। भारत में हिंदुओं की कुल संख्या दुनिया के पांच सबसे बड़े मुस्लिम देशों (पाकिस्तान, भारत, इंडोनेशिया, नाइजीरिया और बांग्लादेश) की कुल मुस्लिम आबादी से भी ज्यादा रह सकती है।

2. इस्लाम

भारत में मुस्लिम आबादी किसी भी अन्य प्रमुख धार्मिक समूह की तुलना में तेजी से बढ़ सकती है। भारत की कुल आबादी में मुस्लिम आबादी का अनुपात 2010 में 14.4 प्रतिशत था, जिसके 2050 तक बढ़कर 18.4 प्रतिशत और 2070 तक 20 प्रतिशत होने का अनुमान है।

2050 तक भारत में 31.1 करोड़ मुस्लिम हो सकते हैं। यानी भारत उस समय इंडोनेशिया को पछाड़कर दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाला देश बनने का अनुमान लगाया गया है।

2070 तक भारत में मुस्लिम आबादी लगभग 33.4 करोड़ होगी। उस समय पाकिस्तान में अनुमानित मुस्लिम आबादी 46.1 करोड़ होगी, जिसके चलते भारत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाला देश बन सकता है।

3. ईसाई और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय

ईसाई धर्म : भारत में ईसाइयों की हिस्सेदारी में हल्की कमी आने का अनुमान है। 2010 में जहां ईसाई आबादी लगभग 2.5 प्रतिशत थी, वहीं 2050 तक इसके घटकर 2.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

सिख, जैन और अन्य समुदाय: ये समुदाय भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों का हिस्सा बने रहेंगे, हालांकि उनकी जनसंख्या वृद्धि दर में कोई बड़ा जनसांख्यिकीय उछाल होने का अनुमान नहीं है।

हिंदू धर्म की पूरी दुनिया में क्या रहेगी स्थिति? प्यू रिसर्च सेंटर के 2020 से 2070 के वैश्विक जनसांख्यिकी अनुमानों के अनुसार, पूरी दुनिया में हिंदू धर्म की स्थिति और भविष्य की रूपरेखा इस प्रकार रहेगी:

1. कुल वैश्विक आबादी और हिस्सेदारी

संख्या में वृद्धि: 2020 से 2070 के बीच दुनिया भर में हिंदुओं की संख्या में 19.9 करोड़ की वृद्धि होगी, जिससे इनकी कुल वैश्विक आबादी बढ़कर लगभग 1.4 अरब पहुंच जाएगी।

वैश्विक हिस्सेदारी में हल्की कमी: संख्या बढ़ने के बावजूद, अन्य गैर-हिंदू समूहों (विशेष रूप से मुस्लिमों) की तेज जनसंख्या वृद्धि के कारण दुनिया की कुल आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी 15 (2020) से घटकर 14 (2070) रह जाएगी।

2. भौगोलिक तौर पर केंद्रित आबादी

हिंदू धर्म दुनिया के सबसे अधिक भौगोलिक रूप से केंद्रित धर्मों में बना रहेगा। 2070 तक भी दुनिया के 99 प्रतिशत हिंदू एशिया-प्रशांत क्षेत्र में ही निवास करेंगे।

2020 में दुनिया के 95 हिंदू भारत में थे। 2070 तक भारत में हिंदुओं की आबादी में 17.6 की वृद्धि होगी और वे देश की तीन-चौथाई से अधिक (76प्रतिशत) आबादी बने रहेंगे। हिंदू-बहुमत वाले देश में पूरी दुनिया में केवल भारत और नेपाल ही ऐसे दो देश बने रहेंगे जहां हिंदू बहुसंख्यक होंगे।

3. दुनिया के शीर्ष देशों में स्थिति और नए बदलाव

2020 में सर्वाधिक हिंदू आबादी वाले शीर्ष पांच देश भारत, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान और इंडोनेशिया थे। 2070 तक इस रैंकिंग में कुछ बड़े बदलाव आएंगे।

अप्रवासन की वजह से अमेरिका में हिंदू आबादी 40 लाख से बढ़कर 90 लाख हो सकती है, जिससे अमेरिका दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी हिंदू आबादी वाला देश बन सकता है।

पाकिस्तान में हिंदू आबादी प्राकृतिक वृद्धि (जन्म दर) के चलते दोगुनी होकर लगभग 1 करोड़ हो सकती है और वह चौथे स्थान पर बना रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया लगभग 30 लाख हिंदुओं के साथ दुनिया के शीर्ष 10 देशों में 9वें स्थान पर शामिल हो जाएगा। वहीं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शीर्ष 10 हिंदू आबादी वाले देशों की सूची से बाहर हो सकता है।

मॉरीशस, सूरीनाम और फिजी में हिंदुओं की राष्ट्रीय आबादी में पांच प्रतिशत अंक या उससे ज्यादा की गिरावट आ सकती है। उदाहरण के लिए, सूरीनाम में हिंदुओं की प्रजनन दर कम होने के कारण उनका अनुपात 22 से घटकर 15 तक पहुंच सकता है, और फिजी में यह 24 से गिरकर 19 हो सकता है।

अगर दुनिया में बढ़ रही हिंदुओं की आबादी तो हिस्सेदारी कम क्यों हो रही?

प्यू रिसर्च सेंटर के मुताबिक, 2020 से 2070 के बीच दुनिया भर में हिंदुओं की कुल संख्या में 19.9 करोड़ की बढ़ोतरी जरूर होगी और यह लगभग 1.4 अरब तक पहुंचेगी; इसके बावजूद, वैश्विक आबादी में उनकी हिस्सेदारी 2020 के 15 से घटकर 2070 तक 14 रहने का अनुमान है। इसकी कई बड़ी वजहें सामने आई हैं...

1. प्रजनन दर का प्रतिस्थापन स्तर से नीचे होना

2020-2025 की अवधि में हिंदू महिलाओं की वैश्विक कुल प्रजनन दर 1.9 बच्चे प्रति महिला आंकी गई है। यह गैर-हिंदुओं की वैश्विक औसत प्रजनन दर (2.3) से काफी कम है। किसी भी आबादी को पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थिर बनाए रखने के लिए आमतौर पर 2.1 की प्रजनन दर की जरूरत होती है। यानी हर 100 महिलाओं में 210 बच्चों की प्रजनन दर।

हालांकि, हिंदुओं की प्रजनन दर सभी क्षेत्रों में इस 2.1 के स्तर से नीचे है, जैसे भारत में 1.9, नेपाल में 2.0, बांग्लादेश में 1.9 और उत्तरी अमेरिका में 1.2।

सीधे शब्दों में समझें तो मौजूदा समय में नेपाल को छोड़कर बाकी सभी देशों में जोड़े दो बच्चे भी पैदा नहीं कर रहे हैं, जिससे हिंदुओं का प्रतिस्थापन नहीं हो पा रहा।

भारत में पिछले तीन दशकों के आंकड़ों को उठाकर देखें तो हिंदू प्रजनन दर 3.3 से गिरकर 1.9 पर आ गई है, जिसके पीछे सरकार की योजनाएं काफी हद तक जिम्मेदार हैं।

2. गैर-हिंदू समूहों की तेज बढ़ोतरी

हिंदू आबादी में बढ़ोतरी जारी रहने के बावजूद, दुनिया की शेष गैर-हिंदू आबादी कहीं तेज गति से बढ़ रही है।

खास तौर पर मुस्लिम आबादी में युवा औसत आयु और उच्च प्रजनन दर के कारण प्राकृतिक वृद्धि तेज है।

अगर सिर्फ एशिया-प्रशांत क्षेत्र को ही ले लें, जहां 99 हिंदू रहते हैं तो सामने आता है कि 2020-2025 के दौरान इस्लाम एकमात्र ऐसा प्रमुख धार्मिक समूह था जिसकी प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर से ऊपर (2.5 बच्चे प्रति महिला) थी, जबकि हिंदुओं की दर 1.9 और ईसाइयों की 2.0 थी।

3. भारत में ही दुनिया की 90+ फीसदी हिंदू आबादी

हिंदू धर्म दुनिया का सबसे ज्यादा भौगोलिक तौर पर केंद्रित धर्म है। दुनिया के 99 प्रतिशत हिंदू एशिया-प्रशांत क्षेत्र में और लगभग 95प्रतिशत अकेले भारत में रहते हैं। चूंकि हिंदुओं की आबादी भारत पर निर्भर है, इसलिए भारत में प्रजनन दर में आई तेज़ गिरावट का सीधा प्रभाव वैश्विक स्तर पर हिंदू आबादी की कुल हिस्सेदारी पर पड़ता है। इसके उलट, ईसाई और मुस्लिम जैसी अन्य बड़ी आबादी कई महाद्वीपों में फैली हुई है, जिससे उनकी कुल वैश्विक वृद्धि दर अधिक बनी रहती है।

4. धर्मांतरण का सीमित असर

प्यू की रिसर्च में यह भी सामने आया है कि हिंदुओं की हिस्सेदारी में कमी की वजह किसी बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन के कारण नहीं है।

हिंदुओं में अपने मूल धर्म में बने रहने की दर दुनिया में सबसे अधिक (99 प्रतिशत) है, यानी हिंदू धर्म में पले-बढ़े 99 प्रतिशत लोग वयस्क होने पर भी हिंदू ही रहते हैं। 2020 से 2070 के बीच 50 वर्षों में धार्मिक बदलाव के कारण वैश्विक स्तर पर सिर्फ 10 लाख हिंदुओं का शुद्ध नुकसान अनुमानित है, जो कि कुल संख्या के आगे नगण्य है।

पुष्कर के फूलों से कोली समाज ने किया सामूहिक विवाह शोभायात्रा का स्वागत



भीलवाड़ा। सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और समानता का संदेश देते हुए कोली समाज विकास ट्रस्ट, भीलवाड़ा की ओर से श्री शिव मंडल खटीक समाज सेवा संस्थान द्वारा आयोजित 13वें आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन की शोभायात्रा का वीरांगना झलकारी बाई कोली सर्किल पर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर कोली समाज की ओर से पुष्कर के सुगंधित फूलों से भव्य पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा में शामिल वर-वधु, समाज के पदाधिकारियों एवं बारातियों का आत्मीय स्वागत किया गया। स्वागत स्थल पर सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे के संदेश के साथ जय भीम के नारे भी गूंजे, जिससे पूरा वातावरण उत्साह और सामाजिक एकता के रंग में रंग गया। कोली समाज विकास ट्रस्ट के सचिव मुरलीधर लोरवाडिया ने बताया कि इस अवसर पर सामूहिक विवाह सम्मेलन के अध्यक्षबंशीलाल पटेल का मारवाड़ी परंपरा के अनुसार साफा पहनाकर सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। समाज के कोषाध्यक्ष महेंद्र कुमार गेंडावध ने बताया कि इस पुण्य एवं मांगलिक अवसर पर कोली समाज के प्रतिनिधिमंडल ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा प्रत्येक नवदम्पति को उपहार स्वरूप स्टील धातु का कलश भेंट किया। पुजारी रामलाल तलाया, देवी लाल, सोहन लाल, अशोक, राकेश, मोतीलाल, जीवन राम, शम्भू रामचंद्र मंडिया, सोनू, उस्ताद बुद्धि प्रकाश बछापरिया सहित कोली समाज के अनेक गणमान्यजन एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जोधपुर क्लब की सदस्याओं ने मनाई देवउठनी एकादशी

भीलवाड़ा। जोधपुर क्लब की ओर से देवउठनी एकादशी की पूर्व संध्या पर दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन



बड़े ही उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में क्लब की सदस्याओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं और आपसी प्रेम, सौहार्द एवं एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान दीपावली स्नेह मिलन समारोह में सभी सदस्याओं ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए दीपावली की खुशियां साझा कीं। सभी ने मिलकर हंसी-खुशी के माहौल में त्योहार की यादों को ताजा किया तथा आपसी मेलजोल और आत्मीयता को बढ़ावा दिया। इस अवसर पर देवउठनी ग्यारस के धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। महिलाओं ने भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के महत्व को बताते हुए पर्व को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया तथा परिवार और समाज में सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की मंगलकामना की। पूर्व सभापति मधु जाजू एवं लीला राठी के नेतृत्व में सभी सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर मधु जाजू, लीला राठी, अनु मोदी, वीणा मोदी, कलावती भदादा, संतोष भदादा, चंदू काबरा, रतन काबरा, अंशु, योजना तोषनीवाल, नीलम वैष्णव, प्रीति कांकरिया एवं अनीता जोशी सहित अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं।सभी ने मिलकर त्योहारों को पारंपरिक उत्साह, आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ मनाने तथा भारतीय संस्कृति और सामाजिक एकता की परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

विश्व टेलीविज़न दिवस: सोनी सब के कलाकारों ने साझा किए किरदारों, कहानियों और दर्शकों से जुड़े अपने खास अनुभव









लोकजीवन न्यूज नेटवर्क, मुंबई

पारिवारिक ड्रामों और हल्के-फुल्के कॉमेडी शोज़ से लेकर भावनाओं और मनोरंजन से भरपूर कहानियों तक, टेलीविज़न लगातार दर्शकों और उन किरदारों के बीच एक आत्मीय रिश्ता बनाता रहा है, जिन्हें लोग अपने घरों में सहजता से जगह देते हैं। समय के साथ यह माध्यम निरंतर बदलता और विकसित होता रहा है, लेकिन लोगों को ऐसी कहानियों के ज़रिये एक साथ जोड़ने की इसकी ताकत, जिनसे दर्शक खुद को जोड़ सकें, आज भी उतनी ही मजबूत और खास बनी हुई है। विश्व टेलीविज़न दिवस के अवसर पर सोनी सब के कलाकारों–मनीष वाधवा, राखी एन विजान, हिबा नवाब और करुणा पांडे–ने अपने अभिनय सफर, निभाए गए किरदारों और दर्शकों से मिल रहे निरंतर स्नेह को याद करते हुए अपने विचार साझा किए।'लो चुड़ैल चली ससुराल' में कामिनी की भूमिका निभा रहीं राखी एन विजान ने कहा कि उन्हें हमेशा दर्शकों से मिलने वाला प्यार बेहद पसंद रहा है। उन्होंने बताया कि टेलीविज़न पर वापसी करना और एक बार फिर उस अपनापन को महसूस करना शानदार अनुभव है। उनके अनुसार, इस मंच पर काम करने की सबसे बड़ी खूबी यह है कि उन्हें हर दिन लोगों को हंसाने का अवसर मिलता है। टेलीविज़न दर्शकों को रोज़मर्रा के तनाव से कुछ पल दूर रहकर परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का मौका देता है। विश्व टेलीविज़न दिवस पर उन्होंने खुशी जताई कि वे फिर से अपना पसंदीदा काम कर रही हैं और लोगों के चेहरों पर मुस्कान ला पा रही हैं।

इसी शो में उर्वशी का किरदार निभा रहीं हिबा नवाब ने कहा कि उन्होंने बेहद कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था और टेलीविज़न ने उन्हें एक कलाकार के रूप में सीखने व खुद को तलाशने का व्यापक मंच दिया। उनके लिए सबसे सुखद पल वह होता है जब दर्शक उन्हें उनके किरदारों के नाम से पहचानते हैं। उन्होंने बताया कि आज भी कई लोग उन्हें 'इलायची' कहकर पुकारते हैं और अब उर्वशी के किरदार के चलते उन्हें 'क्यूट चुड़ैल' भी कहा जा रहा है। इतने समय बाद भी किरदारों का दर्शकों के दिलों में जीवित रहना उनके लिए बेहद खास है। विश्व टेलीविज़न दिवस पर उन्होंने इस माध्यम और दर्शकों के प्यार के प्रति आभार व्यक्त किया।

'पुष्पा इम्पॉसिबल' में पुष्पा की भूमिका निभा रहीं करुणा पांडे ने कहा कि इस किरदार को निभाते हुए चार वर्ष से अधिक का समय हो चुका है और यह यात्रा उनके लिए अविस्मरणीय रही है। टेलीविज़न ने उन्हें लंबे समय तक एक ही किरदार को जीने और उसके व्यक्तित्व की विभिन्न परतों को उभारने का अवसर दिया। उन्होंने देखा कि पुष्पा कैसे आगे बढ़ी, नई परिस्थितियों का सामना किया, गलतियों से सीखा और हर अनुभव के साथ और सशक्त बनी। दर्शक भी इस सफर का हिस्सा रहे हैं। करुणा ने कहा कि टेलीविज़न ने महिलाओं को सम्मानजनक मंच, आर्थिक स्वतंत्रता और सुरक्षा प्रदान की है, जिसका कोई विकल्प नहीं है।

'हस्तिनापुर के वीर' में भीष्म पितामह की भूमिका निभा रहे मनीष वाधवा ने कहा कि वर्षों से टेलीविज़न का हिस्सा होना उनके लिए बेहद खास रहा है। उन्हें अलग-अलग किरदार निभाने और अनगिनत घरों तक पहुंचने वाली कहानियों से जुड़ने का मौका मिला। उनके अनुसार, दर्शकों के साथ बनने वाला गहरा जुड़ाव इस माध्यम की सबसे बड़ी ताकत है। जब दर्शक काम को याद रखते हैं और सराहना करते हैं, तो पूरी मेहनत सार्थक लगती है। दर्शक 'लो चुड़ैल चली ससुराल', 'हस्तिनापुर के वीर' और 'पुष्पा इम्पॉसिबल' का आनंद केवल सोनी सब पर ले सकते हैं।

वसुधा' में आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ की खास एंट्री वसुधा और देवांश की नई जिंदगी में आएगा दिलचस्प ट्विस्ट

लोकजीवन नेटवर्क, इंदौर

कुछ कहानियाँ अपने जज़्बात, दिल को छू लेने वाले किरदारों और अनपेक्षित मोड़ों से दर्शकों के दिलों में ऐसी जगह बना लेती हैं कि लंबे समय तक याद रहती हैं। ज़ी टीवी का लोकप्रिय धारावाहिक 'वसुधा' भी अपनी दिलचस्प कहानी और रिश्तों की संवेदनशील दास्तान से लगातार दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है।

कहानी में आने वाला हर नया मोड़ शो को और अधिक आकर्षक बना रहा है, जिसके चलते यह भारतीय टेलीविजन के शीर्ष कार्यक्रमों में अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है। तमाम मुश्किलों और इम्तिहानों से गुजरने के बाद आखिरकार वसुधा और देवांश ने साथ मिलकर अपनी



जिंदगी का नया सफर शुरू कर दिया है। चंद्रिका ने भी वसुधा को अपनी बहू के रूप में स्वीकार कर दोनों के रिश्ते को अपने आशीर्वाद से नवाजा है। शादी की खुशियों से लेकर शादी के बाद की रस्मों तक, यह नवविवाहित जोड़ा अपने साथ के इस नए एहसास को जी रहा है। हालांकि, जब दोनों अपनी नई दुनिया में रमने लगे, तभी उनके लिए एक दिलचस्प सरप्राइज इंतजार कर रहा था। शो में बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना और अभिनेत्री शरवरी वाघ की खास एंट्री होने जा रही है। उनकी मौजूदगी कहानी में एक ऐसा नया मोड़ लेकर आएगी, जो वसुधा और देवांश के आगे के सफर को लेकर दर्शकों की उत्सुकता को कई गुना बढ़ा देगी। आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ ने शो के सेट पर पूरी स्टार कास्ट के साथ खूब मस्ती की और माहौल को जीवंत बना दिया। वहीं, शो में वसुधा और देवांश की भूमिका निभा रहे प्रिया ठाकुर और अभिषेक शर्मा भी उनके साथ शूटिंग के अनुभव को लेकर बेहद उत्साहित नजर आए। दोनों कलाकारों ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा कि आयुष्मान और शरवरी के साथ काम करने का उनका अनुभव बेहद शानदार रहा और यह पूरा सीक्वेंस खूबसूरती से फिल्माया गया है। उनके अनुसार, यह पल वसुधा और देवांश की जिंदगी के अहम पड़ाव को और खास बनाता है तथा दर्शकों के लिए एक प्यारा सा सरप्राइज साबित होगा। नई शुरुआत, खास मेहमानों की मौजूदगी और कहानी के नए मोड़ के बीच यह देखना दिलचस्प होगा कि आयुष्मान और शरवरी की एंट्री इस जोड़े की जिंदगी में कौन सा नया रंग भरती है।

जिला परिषद का चुनाव-2026 परिणाम : जीते-हारे प्रत्याशियों को कितने मिले वोट

वार्ड संख्या	विजेता प्रत्याशी	पार्टी	प्राप्त मत	हारे प्रत्याशी	पार्टी	प्राप्त मत	मतों का अंतर
वार्ड 1	पूजा गुर्जर	कांग्रेस	10,584	नोसी बाई	भाजपा	10,329	255
वार्ड 2	कैलाश देवी तिवारी	कांग्रेस	10,904	रेखादेवी	भाजपा	9,210	1,694
वार्ड 3	गीता देवी	कांग्रेस	9,269	सीता देवी	भाजपा	8,257	1,012
वार्ड 4	सुखालाल	भाजपा	8,833	प्रेमचन्द कुमावत	कांग्रेस	8,287	546
वार्ड 5	किस्मत कंवर	भाजपा	8,616	पुष्पा देवी गुर्जर	कांग्रेस	6,931	1,685
वार्ड 6	कंकू	भाजपा	9,009	पारसी देवी	कांग्रेस	7,293	1,716
वार्ड 7	कंकु देवी	कांग्रेस	9,267	पूजा जाट	भाजपा	8,145	1,122
वार्ड 8	राम कन्या गाडरी	कांग्रेस	8,859	रूप लाल जाट	भाजपा	7,623	1,236
वार्ड 9	राज मल शर्मा	कांग्रेस	9,355	किशन लाल शर्मा	भाजपा	8,980	375
वार्ड 10	सत्यप्रकाश	कांग्रेस	11,099	सुनील कुमार	भाजपा	8,683	2,416
वार्ड 11	शिल्पा बिडला	कांग्रेस	10,981	बीना सेन	भाजपा	10,484	497
वार्ड 12	दुर्गपाल सिंह	कांग्रेस	9,153	देवा लाल जाट	भाजपा	8,392	761
वार्ड 13	तारा कंवर	भाजपा	11,338	समता	कांग्रेस	9,365	1,973
वार्ड 14	लहरी देवी	भाजपा	10,053	छोटू कुमारी	कांग्रेस	8,078	1,975
वार्ड 15	सुमन कुँवर	भाजपा	10,073	सुखी देवी	कांग्रेस	9,539	534
वार्ड 16	सीमा देवी रेगर	भाजपा	10,760	प्रेम वर्मा	कांग्रेस	10,029	731
वार्ड 17	सांवर लाल जाट	कांग्रेस	9,711	नेमी चंद जोशी	भाजपा	5,600	4,111
वार्ड 18	मन्या कुमारी गुर्जर	कांग्रेस	10,043	सपना कोठारी	भाजपा	8,310	1,733
वार्ड 19	जगदीश गुर्जर	भाजपा	9,869	मधुसुदन	कांग्रेस	8,804	1,065
वार्ड 20	अविनाश	भाजपा	11,376	महावीर	कांग्रेस	10,371	1,005
वार्ड 21	बदामी देवी	कांग्रेस	11,779	रमा देवी	भाजपा	10,879	900
वार्ड 22	महादेव गुर्जर	कांग्रेस	11,928	राम विश्वास	भाजपा	10,027	1,901
वार्ड 23	रामगोपाल सेन	कांग्रेस	12,289	बजरंग सिंह	भाजपा	9,618	2,671
वार्ड 24	मंजु कंवर	कांग्रेस	8,890	माया कंवर	भाजपा	7,834	1,056
वार्ड 25	रामजस	कांग्रेस	8,856	बाबू	भाजपा	8,306	550
वार्ड 26	आशिय	कांग्रेस	10,074	लाटू लाल तेली	भाजपा	9,061	1,013
वार्ड 27	सुगना बलाई	कांग्रेस	12,670	मोहनी बाई बलाई	भाजपा	12,227	443
वार्ड 28	रतन लाल अहीर	भाजपा	6,583	कालु	कांग्रेस	6,181	402
वार्ड 29	सुनीता देवी कौशिक	कांग्रेस	8,941	सरोज देवी	भाजपा	8,937	10
वार्ड 30	कमल सिंह	कांग्रेस	15,173	अमर सिंह राजपूत	भाजपा	11,188	3,985
वार्ड 31	हेमलता उपाध्याय	भाजपा	9,907	उषा देवी	कांग्रेस	8,825	1,082
वार्ड 32	ममता गुर्जर	कांग्रेस	11,125	सन्तोक	भाजपा	9,510	1,615
वार्ड 33	राहुल दाधीच	भाजपा	12,194	कान्ता	कांग्रेस	10,451	1,743
वार्ड 34	रामलाल	कांग्रेस	10,636	रमेश चन्द्र नवहाल	भाजपा	9,005	1,631
वार्ड 35	दुर्गादेवी	कांग्रेस	9,526	भागचन्द रेगर	भाजपा	8,225	1,301
वार्ड 36	समोक देवी रेगर	कांग्रेस	10,195	मधु कुमारी रेगर	भाजपा	8,669	1,526
वार्ड 37	कप्तान सिंह	कांग्रेस	8,591	रमेश चन्द मीणा	भाजपा	7,170	1,321
वार्ड 38	फुलसिंह	कांग्रेस	8,889	राजेन्द्र सिंह	भाजपा	8,323	466
वार्ड 39	कान्ता देवी	कांग्रेस	9,067	सरोजना	भाजपा	8,514	553
वार्ड 40	संजू मीणा	कांग्रेस	9,506	महंता कुमारी	भाजपा	8,620	886
वार्ड 41	राधेश्याम कंजर	कांग्रेस	9,713	शिवराज रेगर	भाजपा	8,156	1,557
वार्ड 42	माधु लाल रेगर	भाजपा	9,187	भैरू लाल बेनीवाल	कांग्रेस	8,883	299
वार्ड 43	अन्नपूर्णा कंवर	कांग्रेस	10,014	पायल शर्मा	भाजपा	8,902	1,112
वार्ड 44	कैलाश चन्द्र मीना	कांग्रेस	11,766	नरोत्तम	भाजपा	11,062	704
वार्ड 45	राधा देवी मीणा	भाजपा	10,948	सोजी राम मीणा	कांग्रेस	10,332	616